

हरिभूमि

मिवाणी-दादरी मूर्ति

रोहतक, रविवार, 20 अप्रैल, 2025

11 एशियाई एथलेटिक्स में आरती ने 100 व 200 ...



12 मुर्शिदाबाद दंगों के खिलाफ विश्व हिंदू ...



MK हॉस्पिटल अब आपके और करीब

जहां हर इलाज है सटीक!

MK सिटी सेंटर में हमारे विशेषज्ञों की सेवाएँ उपलब्ध हैं।

MK City Center SCO-23, Panchayat Pocket, Opp. Red Cross, Zoo Road, Bhiwani, Haryana



सोमवार से शनिवार

दोपहर 3 बजे से 5 बजे तक

सोमवार
मंगलवार
बुधवार
गुरुवार
शुक्रवार
शनिवार
सोमवार से शनिवार
9AM - 11AM

Dr. M. Monis (Consultant Emergency Medicine) आपातकालीन चिकित्सा विशेषज्ञ

Dr. Akshay (Consultant Ophthalmology) नेत्र रोग विशेषज्ञ

Dr. Sahil (Consultant Orthopaedics & Joint Replacement + Sports Injury Surgeon) हड्डी एवं जोड़ प्रत्यारोपण विशेषज्ञ

Dr. Vikram (Consultant General Medicine & Diabetology) जनरल मेडिसिन एवं डायबिटोलॉजी विशेषज्ञ

Dr. Vishnu (Urologist, Andrologist & Uro-Onco Surgeon) यूरोलॉजी विशेषज्ञ

Dr. Ravinder (Consultant Dental) दंत रोग विशेषज्ञ

Dr. Ritu (Consultant Obstetrics & Gynaecology) स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ

एम्बुलेंस/आपातकालीन सहायता के लिए संपर्क करें:

70 09 09 0924

MK Hospital
5th Mile Stone, Bhiwani - Delhi Road,
Bhiwani, Haryana

TPA और कैशलेस सुविधा उपलब्ध

ADMISSION OPEN
2025-26
Nursery to 10th class

BBC SCHOOL

NEW BATCH START FROM 2025-26

BBC SCHOOL : Starts BBC Academy Courses, Class 6th to 10th
(Schooling/ Olympiads/Foundation)
Class 11th & 12th (Medical, Non-Medical) (IIT-JEE/NEET)

Director :
Advocate Ajay Gupta

Principal :
Renu Gupta

Circular Road, Opp. Over Bridge, Haluwas Gate, Bhiwani | **M. 9034556226**

स्वर्ण संक्षेप

श्री साई बाबा मूर्ति स्थापना दिवस आज

भिवानी। साई बाबा धर्माश्रम ट्रस्ट, भिवानी द्वारा 23 अप्रैल को गांव हालुवास स्थित श्री साई बाबा मंदिर, साई धाम, हालुवास में श्री साई बाबा मूर्ति स्थापना दिवस व 9 ग्रह मूर्ति स्थापना समारोह आयोजित किया जाएगा। संजय कामरा ने बताया कि 20 अप्रैल को प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान प्रातः 9:15 बजे, दिनांक 22 अप्रैल को साई नाम अखंड जाप प्रातः 7 बजे से प्रातः, 9 ग्रह परिक्रमा एवं साई पालकी सार्य चार बजे व दिनांक 23 अप्रैल को साई नाम अखंड जाप प्रातः 7 बजे, हवन प्रातः 9 बजे, भंडारा रात्रि 8:30 बजे होगा।

मगवान परशुराम जन्मोत्सव 30 को

चरखी दादरी। दादरी में हीरा चौक स्थित ब्राह्मण भवन में नूतन ब्राह्मण सभा द्वारा मगवान परशुराम जन्मोत्सव 30 अप्रैल को राजेश बंटी की अध्यक्षता में आयोजित किया जाएगा। नूतन ब्राह्मण सभा के प्रधान शशिकांत भारद्वाज ने बताया कि समारोह में दादरी से भाजपा विधायक सुनील सांगवान बतौर मुख्यातिथि शिरकत करेंगे।

राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन 10 मई को

तोशाम। एसडीजेएम कम उपमंडल सेवा प्राधिकरण के चेयरमैन सुनील कुमार ने कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत में ज्यादा से ज्यादा मामलों को रख कर समाधान करवाएं। एसडीजेएम ने कहा कि फ्री कानूनी सहायता के लिए टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर पर जरूर संपर्क करें। हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण तथा जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री डीआर चालिया के निर्देशानुसार आगामी 10 मई को स्थानीय अदालत में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा।

कई फीडरों की बिजली आठ बजे से रहेगी बंद

भिवानी। रविवार 20 अप्रैल को सुबह आठ बजे से दस बजे तक 33केवी सब स्टेशन हांसी रोड से चलने वाले सभी फीडर बंद रहेंगे, क्योंकि 33केवी सब स्टेशन में मरम्मत कार्य किया जाना है, जिसके चलते सिटी फीडर, वाटर वर्कस फीडर, जेल फीडर, गुजरानी फीडर, पीजीआई फीडर पूर्णरूप से बंद रहेगा। बिजली निगम के जेई पवन कुमार ने बताया कि 33 केवी सब स्टेशन में मरम्मत का कार्य किया जाना है, जिसके चलते 33केवी हांसी रोड से चलने वाले सभी फीडर बंद रहेंगे और इनके अंतर्गत आने वाले क्षेत्र में सुबह आठ बजे से 10 बजे तक बिजली सप्लाई बंद रहेगी। उन्होंने बताया कि जेल फीडर से जेल की सप्लाई, गुजरानी फीडर डीसी कॉलोनी, फ्रेडस कॉलोनी, पुलिस लाइन, देवनगर, वाटर वर्कस फीडर से लघु सचिवालय, डीसी आवास क्षेत्र व शिक्षा बोर्ड और प्रेमनगर फीडर से चलने वाली गांव प्रेमनगर की बिजली सप्लाई बंद रहेगी।

आंगनवाड़ी वर्कर्स एवं हेल्पर्स ने न्यूनतम वेतन 26000 रुपये मांगा

आंगनवाड़ी वर्कर्स ने मंत्री श्रुति चौधरी के आवास पर किया रोष-प्रदर्शन, नारेबाजी

प्रदर्शन के दौरान फोटो कैप्चर को बंद करने की मांग रखी

हरिभूमि न्यूज मिवाणी

प्रदेशभर की आंगनवाड़ी वर्कर्स एंड हेल्पर्स ने न्यूनतम वेतन 26000 रुपये लागू करने व पक्का कर्मचारी बनाने की मांग को लेकर लघु सचिवालय परिसर के बाहर धरना प्रदर्शन किया। आंगनवाड़ी वर्कर्स एंड हेल्पर्स ने लघु सचिवालय परिसर के बाहर प्रदर्शन के बाद शहर व महिला एवं बाल विकास विभाग मंत्री श्रुति चौधरी के भिवानी आवास पर जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान उन्होंने मांग की कि फोटो कैप्चर बंद हो, वर्कर्स को तीसरे और हेल्पर्स को चौथे दर्जे का कर्मचारी बनाने, ग्रेज्यूटी लाभ देने के कोर्ट के निर्णयों को केंद्र व राज्य सरकार लागू करें और हेल्पर व वर्कर्स की प्रमोशन जल्द से जल्द करने की मांग उठाई।

इसके साथ ही उन्होंने मांगें नहीं माने जाने पर 20 मई को हड़ताल पर जाने की चेतावनी दी। प्रदर्शन को आंगनवाड़ी फेडरेशन



भिवानी। लघु सचिवालय परिसर के बाहर धरने के दौरान नारेबाजी करती आंगनवाड़ी वर्कर्स एंड हेल्पर्स व तबित मांगों को लेकर शहर में प्रदर्शन करती आंगनवाड़ी वर्कर्स एंड हेल्पर्स।

(आईफा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष ऊषा, सीटू प्रदेश महासचिव जयभगवान, आंगनवाड़ी वर्कर्स एंड हेल्पर्स यूनियन की प्रदेश अध्यक्ष रूपा राणा, महासचिव उर्मिला रावत ने प्रमुख रूप से संबोधित किया। संगठन नेताओं ने कहा कि प्रदेश की आंगनवाड़ी वर्कर्स एवं हेल्पर्स में भारी रोष व्याप्त है। केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं को जमीनी स्तर पर लागू करवाने का काम वर्कर्स करती है।

उन्होंने कहा कि सरकार आईसीडीएस को खत्म करना चाहती है, ऑनलाइन और फोटो कैप्चर के नाम पर वर्कर्स को



भिवानी। आईआईटी स्थापित करवाए जाने की मांग को लेकर हस्ताक्षर अभियान चलाते हुए।

प्रताड़ित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि देश में लगभग 26 लाख आंगनवाड़ी वर्कर्स और हेल्पर्स को पचास वर्षों के बाद भी असंख्य

संसद और वैधानिक समितियों की सिफारिशों के बावजूद नियमित कर्मचारियों के रूप में मान्यता नहीं दी है और नाम मात्र का भुगतान

ये रही मांगें

यूनियन नेताओं ने कहा कि राज्य में 25000 आंगनवाड़ी केंद्र हैं, जिनमें करीब 47000 वर्कर्स और हेल्पर्स काम कर रहे हैं। 6000 से ज्यादा पद खाली पड़े हैं, जिन्हें लंबे समय से नहीं भरा जा रहा है। यूनियन सरकार से मांग करती है कि वर्कर्स एवं हेल्पर्स को पक्का कर्मचारी बनाया जाए, न्यूनतम वेतन 26000 रुपये लागू किया जाए, वर्ष 2018 की केंद्र की घोषणा 1500 व 750 रुपये का एरियर दिया जाए, केंद्र सरकार के दिशा निर्देशानुसार केंद्रों का किराया जारी हो, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 रद्द हो, वर्कर्स एंड हेल्पर्स को ग्रेज्यूटी दी जाए, खाली पड़े हेल्पर्स, वर्कर्स, सीडीपीओ, पीओ के पद भरे जाएं, हेल्पर व वर्कर और वर्कर्स से सुपरवाइजर की पदोन्नति बिना किसी कंडीशन के हो और कम से कम 50 प्रतिशत हो। वहीं प्ले वे स्कूल और केच केंद्रों में कार्यरत कर्मियों को अतिरिक्त मानदेय देने की मांग उठाई।

किया जाता है। प्रदर्शन को यूनियन नेता शकुंतला, बिजनेस राणा, मालवती, सोना देवी, कृष्णा, वीरो, सुनीता, राजबाला, सुशील, रोशनी, रिटायर्ड कर्मचारी संघ के राज्य महासचिव रत्न कुमार जिंदल, आशा वर्कर्स यूनियन हरियाणा की महासचिव सुनीता, सीटू जिला सचिव अनिल व प्रधान राममेहर ने संबोधित किया।

हड़ताल की चेतावनी दी: इसके साथ ही आंगनवाड़ी वर्कर्स एंड हेल्पर्स ने सरकार, प्रशासन व विभाग के अधिकारियों को चेतावनी दी कि उनकी सभी मांगों का जल्द निपटारा नहीं किया तो 20 मई को आंगनवाड़ी वर्कर्स एंड हेल्पर्स हड़ताल पर जाएंगी।



भिवानी। आईआईटी स्थापित करवाए जाने की मांग को लेकर हस्ताक्षर अभियान चलाते हुए।

आईआईटी निर्माण को लेकर चलाया हस्ताक्षर अभियान

हस्ताक्षर अभियान चलाते हुए जितेन्द्र भोलू ने कहा कि भिवानी जिले में आईआईटी का होना बहुत जरूरी है

हरिभूमि न्यूज मिवाणी

जिले में कमल सिंह प्रधान द्वारा चलाई गई मुहिम आईआईटी के निर्माण को लेकर युवा कल्याण संगठन, छात्र संघर्ष समिति, जीवन ज्योति फाउंडेशन, वरिष्ठ नागरिक एसोसिएशन, किसान संघर्ष समिति, एक विचार एक सोच मंच के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने डोर टू डोर हस्ताक्षर अभियान चलाया। हस्ताक्षर अभियान चलाते हुए जितेन्द्र भोलू ने कहा कि भिवानी जिले में आईआईटी का होना बहुत जरूरी है। क्योंकि यहां के छात्र उच्च स्तर की शिक्षा ग्रहण करने के लिए दिल्ली, हैदराबाद, बैंगलोर आदि

शहरों में जाना पड़ता है। जिसके कारण उन्हें भारी परेशानी उठानी पड़ती है।

उन्होंने जिले के युवाओं व छात्र संगठनों के पदाधिकारियों से आह्वान करते हुए कहा कि वे आईआईटी का निर्माण भिवानी जिले में करने की मांग को प्राथमिकता से उठाएं। उन्होंने कहा कि जब तक उनकी मांग पूरी नहीं हो जाती तब तक उनका अभियान जारी रहेगा। उन्होंने यहां के विधायक, मंत्री, सांसद, जिले के सभी जिला पापद, सभी नगर पार्षद, बीडीसी सदस्य, सभी गांवों के सरपंच, खाप पंचायतें इस मांग को सरकार के समक्ष रखें। इस अवसर पर देशमुख दादरवाल, अनिल शेषमां, जयपाल तंवर, अमित अत्री, जयबीर लोहानी, विरेन्द्र टिटानी, मुख्त्यार खापड़वास आदि ने डोर टू डोर जाकर हस्ताक्षर अभियान चलाया।

दूषित पेयजल सप्लाई व सीवरेज ब्लॉकेज से लोग परेशान

टाइयान पाना क्षेत्रवासियों ने नारेबाजी कर की स्वच्छ पानी व सीवर समस्या से निजात दिलाने की मांग

हरिभूमि न्यूज मिवाणी

वार्ड नंबर-7 के टाइयान पाना क्षेत्र में कई दिनों से दूषित पेयजल एवं सीवरेज ब्लॉकेज की समस्या बनी हुई है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि सीवरेज ब्लॉकेज व दूषित पेयजल



सप्लाई के कारण न केवल गलियां, बल्कि उनके घरों में भी दुर्गंध का माहौल रहता है और उनका जीना दूबर हो गया है। क्षेत्रवासियों ने कहा

स्वरीदकर पीते हैं पानी

उन्होंने कहा कि वे स्वरीदकर पानी पीते हैं और पूरी तरह से पानी की बोतल पर निर्भर हैं। उन्होंने कहा कि प्रशासन पानी का बिल दो से तीन गुणा वसूलता है, लेकिन सप्लाई गंदे पानी की जाती है, जिसके चलते लोग बीमारियों का शिकार हो रहे हैं। समस्या के समाधान को लेकर उन्होंने कई बार ऑनलाइन व ऑफलाइन शिकायत दर्ज करवाई है, इसके बावजूद समाधान नहीं हो रहा। उन्होंने संबंधित विभाग से मांग की कि क्षेत्र में स्वच्छ पेयजल सप्लाई की जाए, अन्यथा वे धरना-प्रदर्शन जैसे कदम उठाएंगे।

कि गंदा पानी पीने के कारण लोग बीमारियों का शिकार हो रहे हैं, इसके बावजूद क्षेत्र की समस्या के समाधान की तरफ जिला प्रशासन व

नगर परिषद कोई ध्यान नहीं दे रहा। शनिवार को रोहतक गेट पर वार्ड नंबर-7 के टाइयान पाना क्षेत्रवासियों ने नारेबाजी कर रोष जताया। क्षेत्रवासी महेंद्र सिंह परमार, कुलदीप, आजाद सिंह, सतबीर, पप्पू, सुनीता, शकुंतला, कमला, सोनू व बीरमति ने कहा कि गर्मी का मौसम है और गंदे पानी की वजह से डायरिया फैलने का भय बना हुआ है। इसके बावजूद प्रशासन द्वारा लोगों को स्वच्छ पेयजल मुहैया नहीं

करवाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में सीवरेज के गंदे पानी की सप्लाई की जा रही है तथा गंदा पानी पीने व नहाने से लोगों में बीमारियां फैल रही हैं। उन्होंने संबंधित विभाग, नगर परिषद चेयरपर्सन व वार्ड के पार्षद से मांग की कि क्षेत्र में गंदे पानी की सप्लाई व सीवरेज ब्लॉकेज की समस्या से निजात दिलाई जाए। उन्होंने कहा कि गंदा पानी पीकर बच्चों में पेट व त्वचा संबंधी बीमारियां पनप रही हैं।

आधे शहर में 12 घंटे से बिजली की सप्लाई बंद

जेसीबी के पंजे से कटी बिजली की केबल

हरिभूमि न्यूज मिवाणी

लोहारू फाटक के पास रेलवे के कार्य करते वक्त बिजली की केबल कट गई। जिस वजह से आधे शहर की बिजली की सप्लाई पूरी तरह से बाधित हो गई। बिजली की सप्लाई बाधित हुए 12 घंटे से ज्यादा का समय बीत गया, लेकिन अभी तक बिजली की सप्लाई चालू नहीं हो पाई थी। बिजली की सप्लाई बाधित होने से इलाके में पानी की सप्लाई भी नहीं हो पाई। साथ ही घरों में लगे इन्वर्टर व बैटरी भी जवाब दे गईं। जिस वजह से लोगों को रात सड़कों



भिवानी। जेसीबी के पंजे से कटी बिजली की केबल।

पर बैठ कर गुजारी। रात को करीब ढाई बजे के आसपास अचानक एक धमाके के साथ बिजली की सप्लाई

बंद हो गई। लोगों के फोन बिजली घर के शिकायत केंद्र पर घनघनाने लगे, लेकिन उस वक्त तक बिजली

इन्वर्टर बैटरी दे गए जवाब

करीब 12 घंटे तक बिजली के कट लगे रहने की वजह से उक्त इलाकों में घरों लगे इन्वर्टर बैटरी का बैकअप भी खतम हो गया। बैटरी का बैकअप खतम होने तथा गर्मी ज्यादा होने की वजह से लोग घरों में नहीं टिक पा रहे हैं। वे गलियों व पेड़ों की छांव में घर से बाहर बैठे हैं। दूसरी तरफ बिजली की सप्लाई सुबह के वक्त न होने के चलते पानी की सप्लाई भी नहीं पहुंच पाई है। जिसके चलते लोगों को पीने के पानी के लिए भी बड़ी समस्या का सामना करना पड़ रहा है। दिनभर लोग पानी को लेकर दाय व बाए अटकते नजर आए। यह नजारा आधे से ज्यादा शहर में देखने को मिला।

कर्मचारी भी मामले की जानकारी नहीं ले पाए। उसके बाद किसी व्यक्ति ने विद्युत निगम के कर्मचारियों को सूचना दी कि लोहारू रोड फाटक के पास से केबल कटी हुई है। लोगों ने बताया

कि रात को रेलवे विभाग इस जगह पर कोई कार्य करने के लिए खुदाई करवा रहा था। इसी दौरान जेसीबी का पंजा लग गया। पंजा लगते ही एकदम धमाके के साथ बिजली की सप्लाई कट गई।

हाइब्रिड फंड्स हो सकते हैं निवेश के बढ़िया विकल्प

निवेश मंत्रा

विजनेस डेस्क

इस समय देश के इतिहास में भारतीय उद्योग-व्यवसाय का दौर काफी समय से जारी है। हाल ही में अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा शुरू किए गए टैरिफ वॉर ने इसे और हवा दे दी है। इस माहौल में कई निवेशकों को प्योर इक्विटी फंड्स में निवेश करना बहुत जोखिम भरा लगने लगा है। उनके मन में यह सवाल हो सकता है कि ऐसा कौन सा विकल्प है, जहां कम रिस्क में बेहतर रिटर्न मिलने की गुंजाइश हो सकती है? उनके इस सवाल का एक जवाब हाइब्रिड म्यूचुअल फंड्स में भी मिल सकता है। हाइब्रिड म्यूचुअल फंड्स के जरिये एक ही स्क्रीम में ऐसे लगाकर इक्विटी, डेट और कई बार गोल्ड जैसे एसेट्स में भी निवेश किया जा सकता है। इस डायवर्सिफिकेशन की वजह से रिस्क और रिटर्न के बीच बेहतर बैलेंस बना रहता है। बाजार की गिरावट के दौरान डेट में किया गया निवेश सुरक्षा देता है और जब बाजार चढ़ता है तो इक्विटी से रिटर्न बढ़ते हैं। हाइब्रिड फंड्स भी कई अलग-अलग कैटेगरी में बंटे होते हैं, जिनमें निवेशक अपने निवेश के लक्ष्य, इनवेस्टमेंट होराइजन और रिस्क लेने की क्षमता के आधार पर सही फंड का चुनाव कर सकते हैं। हाइब्रिड फंड्स की प्रमुख कैटेगरी की खूबियों के साथ-साथ उनके टॉप फंड्स के पिछले 1 साल, 3 साल और 5 साल के रिटर्न की रैंज का जिक्र किया है, ताकि उनके बारे में निवेशकों को शुरुआती आइडिया मिल जाय।

पिछला रिटर्न

- 1 साल में: 10.75 % से 11.45%
- 3 साल में: 10.22 % से 11.78 %
- 5 साल में: 13.11% से 14.15%
- रिस्क लेवल : मॉडरेटली हाई

पिछला रिटर्न

- 1 साल में: 10.56% से 11.59%
- 3 साल में: कोई फंड नहीं
- 5 साल में: कोई फंड नहीं
- रिस्क लेवल : मॉडरेटली हाई से बहुत अधिक

पिछला रिटर्न

- 1 साल में: 10.51% to 13.12%
- 3 साल में: 12.84% to 19.19%
- 5 साल में: 17.34% to 26.49%



रिस्क

लेवल : बहुत अधिक

मल्टी एसेट एलोकेशन फंड्स: डायवर्सिफिकेशन पर जोर अगर आप अपने निवेश को अलग-अलग एसेट क्लासेज जैसे इक्विटी, डेट और गोल्ड में बांटना चाहते हैं, तो मल्टी एसेट फंड बेहतर विकल्प है। इस कैटेगरी के फंड्स में तीनों एसेट में कम से कम 10% निवेश किया जाता है। इनमें कम से कम 5 साल या उससे ज्यादा समय के लिए निवेश करना बेहतर रहता है।

- ▶▶ बाजार में उथल-पुथल होने पर निवेशक घबरा जाते हैं
- ▶▶ प्योर इक्विटी फंड्स में पैसे लगाने से कतराने लगते हैं
- ▶▶ ऐसे समय में हाइब्रिड फंड्स अच्छा रिटर्न देने में सक्षम

पिछला रिटर्न

- 1 साल में: 11.74% to 16.38%
- 3 साल में: 14.31% to 18.11%
- 5 साल में: 18.99% to 31.87%
- रिस्क लेवल : अधिक से बहुत अधिक

पिछला रिटर्न

- 1 साल में: 9.54% to 11.59%
- 3 साल में: 11.01% to 11.96%
- 5 साल में: 14.56 % to 16.62%
- रिस्क लेवल : मॉडरेट से मॉडरेटली हाई

पिछला रिटर्न

- 1 साल में: 7.96% to 8.03%
- 3 साल में: 7.41% to 7.66%
- 5 साल में: 6.20% to 6.34%

एशियाई हाइब्रिड फंड : डेट के कुशल के साथ इक्विटी में निवेश जो निवेशक पहली बार इक्विटी में निवेश शुरू करना चाहते हैं लेकिन सीधे प्योर इक्विटी फंड में जाने से घबरते हैं, उनके लिए एशियाई हाइब्रिड फंड बेहतर विकल्प हो सकते हैं। इनका 65% से 80% तक निवेश इक्विटी में और बाकी डेट में होता है। इनमें रिस्क बाकी हाइब्रिड फंड्स के मुकाबले अधिक होता है, लेकिन बेहतर रिटर्न मिलने की गुंजाइश भी रहती है।

पिछला रिटर्न

- 1 साल में: 11.85% to 17.29%
- 3 साल में: 16.08% to 20.75%
- 5 साल में: 24.56% to 29.34%
- रिस्क लेवल : बहुत अधिक

अपने लिए चुनें सही हाइब्रिड फंड : बाजार की उथल-पुथल के बीच हाइब्रिड फंड्स आपके आर्थिक उद्देश्यों के मुताबिक लॉन्ग टर्म इनवेस्टमेंट के लिए एक स्मार्ट ऑप्शन हो सकते हैं। हर कैटेगरी का रिस्क-रिटर्न प्रोफाइल अलग है, इसलिए फंड कैटेगरी को सावधानी के साथ चुनें।

क्या म्यूचुअल फंड में निवेश सबके लिए सही

अलर्ट

विजनेस डेस्क

अक्सर सुनने में आता है कि सिस्टेमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआई) के जरिये निवेश करना सबसे बेहतर तरीका होता है। लेकिन ऐसा क्यों है। इस पर कोई विचार नहीं करता, जबकि निवेश करने से पहले पता होना चाहिए कि एसआईपी के जरिये निवेश क्यों सही है। यदि यह जानकारी आपको नहीं है तो नुकसान भी हो सकता है। निवेश करने के बाद स्क्रीम का परफॉर्मेंस भी समय-समय पर जानना भी जरूरी होता है। टीवी, रेडियो, ऑनलाइन और सोशल मीडिया के जरिये म्यूचुअल फंड सही है? का स्पीकेशन हम सभी ने जरूर सुना है। आप दिन कोई न कोई क्रिकेट, बॉलीवुड स्टार या दूसरे फिल्टर के सेलिब्रिटी म्यूचुअल फंड का प्रचार करते देख जाते हैं। म्यूचुअल फंड सही है। लेकिन, क्या वह सही है म्यूचुअल फंड सभी के लिए बिल्कुल सही है? इसका जवाब है नहीं। म्यूचुअल फंड सभी के लिए सही नहीं है। अगर आपका लक्ष्य छोटा है या उम्र अधिक है तो म्यूचुअल फंड सही नहीं है। बाजार में मौजूदा गिरावट के बाद कई लोगों का म्यूचुअल फंड का रिटर्न 3 साल बाद भी निगेटिव हो गया है। इस रिपोर्ट के जरिये हम आपको बताएंगे कि किसके लिए म्यूचुअल फंड सही है और किसके लिए नहीं।

- अगर आप भी एसआईपी के जरिये निवेश कर रहे हैं तो जान कुछ बातें
- म्यूचुअल फंड के 80% निवेशकों को नहीं पता है कि वह कहां लगा रहे पैसे
- उसका फंड मैनेजर कौन है, पूछेंगे तो सिर्फ यही बोलेंगे कि एसआईपी कर रहे

एसआईपी के फायदे

- नियमित निवेश: एसआईपी आपको नियमित रूप से निवेश करने की अनुमति देता है, जो आपके निवेश लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद कर सकता है।
- रुपये कॉस्ट एवरेजिंग: एसआईपी आपको रुपये कॉस्ट एवरेजिंग का लाभ उठाने की अनुमति देता है, जिसमें आप बाजार की उतार-चढ़ाव के बावजूद नियमित रूप से निवेश करते हैं।
- निवेश अनुशासन: एसआईपी आपको निवेश अनुशासन बनाए रखने में मदद कर सकता है, जो आपके निवेश लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद कर सकता है।
- लंबी अवधि के लिए निवेश: एसआईपी आपको लंबी अवधि के लिए निवेश करने की अनुमति देता है, जो आपके निवेश लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद कर सकता है।

एसआईपी के प्रकार : म्यूचुअल फंड एसआईपी: म्यूचुअल फंड एसआईपी में आप नियमित रूप से म्यूचुअल फंड में निवेश करते हैं। स्टॉक एसआईपी: स्टॉक एसआईपी में आप नियमित रूप से स्टॉक में निवेश करते हैं।

आंख मूंद कर निवेश नहीं करें

म्यूचुअल फंड में निवेश करने वाले 80% निवेशकों को नहीं पता है कि वह किस फंड में निवेश कर रहे हैं। उसका फंड मैनेजर कौन है? पूछेंगे तो बोलेंगे कि हम तो एसआईपी कर रहे हैं, जबकि एसआईपी एक जरिया है म्यूचुअल फंड में निवेश करने का। इसलिए म्यूचुअल फंड में निवेश करने से पहले जानकारी जुटाएं। किसी की सलाह पर सुनी सुझाई बातों पर निवेश न करें हैं। म्यूचुअल फंड में सही फंड का चुनाव करना बहुत जरूरी है। ऐसा नहीं करने पर नुकसान उठाना होगा। सही फंड चुनने के लिए आपको बाजार को समझना होगा। निवेश के तरीकों और अपने लक्ष्य को देखना होगा। यह जानना जरूरी है कि हम निवेश क्यों और किस लिए कर रहे हैं। इसलिए निवेश करते समय एक बार पूरी जानकारी जुटाएं।

जोखिम लेने की क्षमता है तो ही निवेश करें

अगर आपमें जोखिम लेने की क्षमता है तो ही म्यूचुअल फंड में एसआईपी के जरिये निवेश करें। म्यूचुअल फंड निवेश पर मार्केट रिस्क, लिक्विडिटी रिस्क, क्रेडिट रिस्क, जीडीपी ग्रोथ रिस्क आदि होता है। अगर आप जोखिम लेने की क्षमता रखते हैं तो ही निवेश करें। अन्यथा बैंक एफडी, पीपीएफ, आरडी या दूसरी फिक्स्ड इनकम इन्वेस्टमेंट स्क्रीम में निवेश करें। इससे आपको नुकसान नहीं होगा और आपको रिटर्न मिलता रहेगा। भले की कुछ कम क्यों न हो।

रिटर्न निवेश का पैमाना नहीं

लोग अक्सर सोचते हैं कि जो फंड अभी सबसे अच्छा प्रदर्शन कर रहा है, वही उनमें लिए सही रहेगा। लेकिन हर म्यूचुअल फंड स्क्रीम अलग होती है। अगर उस स्क्रीम का इन्वेस्टमेंट ऑब्जेक्टिव और रिस्क प्रोफाइल आपको जरूरी से मेल नहीं खाता, तो वह फंड आपके लिए सही नहीं है। इसलिए इन बातों का ध्यान रखना जरूरी है वरना आप झूटका भी खा सकते हैं।

स्क्रीम को जरूर जांचें

यह जरूरी है कि आप फंड हाउस की इन्वेस्टमेंट स्ट्रेटेजी, फंड मैनेजर की योग्यता, और रिस्क मैनेजमेंट प्रोसेस को भी समझें। एक ही कैटेगरी में अलग-अलग स्क्रीम का प्रदर्शन अलग हो सकता है। कोई भी निवेश करने से पहले एक बार स्क्रीम को जरूर जांच लें। उसके प्रदर्शन पर नजर रखें और समीक्षा करते रहें।

निगरानी करना सीखें

सही स्क्रीम चुन लेना ही काफी नहीं। निवेश के बाद स्क्रीम का परफॉर्मेंस समय-समय पर जानना भी जरूरी है। समय-समय पर देखें कि क्या फंड आपके लक्ष्य के अनुसार चल रहा है? अगर नहीं तो उसमें बदलाव करें। अगर ये पांच काम आप कर सकते हैं तो ही म्यूचुअल फंड में निवेश करें। आप अपने पैसे को सुरक्षित भी रख पाएंगे और सही रिटर्न भी ले पाएंगे। अन्यथा आप फिक्स्ड इनकम प्रोडक्ट में निवेश करें।

पहला घर खरीदने के लिए करें फाइनेंशियल प्लानिंग

- कुछ टिप्स आपके आ सकते हैं काफी काम
- एक बड़ा डाउन पेमेंट दे सकता है राहत
- लोन की राशि और ब्याज के बोझ को कर सकता है कम
- संपत्ति के मूल्य का 20-30% बचाने का टारगेट रखें

अगर आप भी अपना पहला घर खरीदने जा रहे हैं तो कुछ बातों को पल्ले बांध लें। इससे आपको घर खरीदने में आसानी रहेगी और लोन की किस्तें भी समय पर चुका पाएंगे। बस आपको कुछ टिप्स को फॉलो करना होगा। इसके बाद अपना मकान बनाने में कोई परेशानी नहीं होगी। अक्सर देखने में आता है कि जब आप पढ़ाई करते हैं फिर अपना करियर शुरू करते हैं तो इसके बाद एक घर खरीदने के सपने को पंख लगने शुरू हो जाते हैं। ज्यादातर लोगों की ख्यालिय होती है कि एक घर अपना हो। इसके लिए आपको काफी तैयारी करनी होती है। प्लानिंग करनी होती है। तब जाकर आप अपना घर खरीद पाते हैं। अगर आप अपना पहला घर खरीदने की सोच रहे हैं तो आपको इसके लिए पहले से कुछ तैयारियां करनी चाहिए, ताकि आगे आपके लिए किसी तरह की परेशानी न आए। इसके लिए आपको कुछ खास बातों पर गौर करना चाहिए। इस रिपोर्ट में हम आपको ऐसी ही कुछ जानकारी देंगे जो आपके काफी काम आएंगी।

तैयारी

विजनेस डेस्क

डाउनपेमेंट के लिए बचत करें

घर खरीदते समय जितना संभव हो सके डाउनपेमेंट कर देना चाहिए और बाकी अमाउंट के लिए होम लोन चाहिए। डाउन पेमेंट के लिए बचत करें। एक बड़ा डाउन पेमेंट आपको लोन की राशि और ब्याज के बोझ को काफी कम कर सकता है। संपत्ति के मूल्य का कम से कम 20-30% बचाने का टारगेट रखें। इस फंड को बनाने के लिए रेकरिंग डिपोजिट या सिस्टेमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) जैसे ऑप्शन पर विचार कर सकते हैं।

होम लोन विकल्पों को तलाशें

अगर आपको पहला घर खरीदने के लिए डाउनपेमेंट की राकम के अलावा होम लोन लेने की जरूरत हो तो अलग-अलग बैंकों या एयरलाइनों पर शोध करें, और ब्याज दरों, अवधि विकल्पों और छिपे हुए शुल्कों की तुलना जरूर करें। प्रधान मंत्री आवास योजना जैसी सरकारी समर्थित योजनाएं अतिरिक्त लाभ प्रदान कर सकती हैं।

छिपे हुए खर्च का जरूर रखें ध्यान

घर खरीदने में कई बार ऐसे खर्च आपके सामने आ सकते हैं जिसके बारे में आपको शायद पहले से पता न हो। इस वजह से छिपी हुई लागतों को ध्यान में रखें। पहली बार घर या प्रॉपर्टी की लागत और संपत्ति खरीदने के लिए किसी भी लोन के अलावा, कई खर्च सामने आएंगे जैसे स्टाम्प ड्यूटी, रजिस्ट्रेशन शुल्क, प्रॉपर्टी टैक्स और मेटेनैस कॉस्ट आदिकार विचार है। इनके लिए बजट बनाना वित्तीय आश्चर्यों से बचाएगा।

जल्दबाजी न करें

हर इंसान चाहता है कि वह खुद के घर में रहे। खुद का घर खरीदना हर व्यक्ति के लिए बहुत ही बड़ी बात होती है। कई लोग ऐसे होते हैं, जो बैंक से होम लोन लेकर घर खरीदते हैं, तो कुछ लोग अपनी जिम्मेदारता का कामाई को लगाकर घर खरीदते हैं। ऐसे में घर को खरीदते समय कभी भी जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए। घर खरीदते समय ऐसी कई चीजें होती हैं, जिनके बारे में आपको अच्छे से जान लेना चाहिए। आपको अपनी फाइनेंशियल प्लानिंग काफी ध्यान से करनी चाहिए। फाइनेंस के अलावा भी ऐसी कई चीजें होती हैं, जिनके बारे में आपको ध्यान रखना चाहिए।



बचत फैक्टर फंडों का एयूएम 14,000 करोड़ से बढ़कर 2024 के अंत तक 40,000 करोड़ से अधिक हुआ, लोगों को खूब भा रहा

गुणवत्ता कारक निवेश : आधारभूत निवेश करने का एक अनुशासित तरीका, देश में अब इसके प्रति लगातार बढ़ता जा रहा है रुझान

जानकारी

प्रतीक औसवाल

भारत में कारक-आधारित निवेश के प्रति रुझान बढ़ा है, क्योंकि निवेशक विभिन्न बाजार चक्रों के दौरान लाभ प्राप्त करने के लिए व्यवस्थित रणनीतियों को तलाश करते हैं। यह रणनीति पैसिव और एक्टिव निवेश के बीच के अंतर को पाटने का काम करती है, क्योंकि यह दोनों तरीकों में से सबसे उपयुक्त बातों को मिलाकर बनाती है। पारंपरिक निवेश रणनीति, जो बाजार के उतार-चढ़ावों से प्रभावित हो सकती है, से अलग कारक आधारित निवेश अनुकूल विशेषताओं वाले शेयरों को पहचानने के लिए एक संरचित दृष्टिकोण देती है। भारत में फैक्टर फंडों का एयूएम पिछले वर्ष में दोगुने से अधिक हो गया है, जो एक वर्ष पहले के 4,000 करोड़ रुपये की तुलना में 2024 के अंत तक 40,000 करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। विभिन्न कारक रणनीतियों में से, गुणवत्ता कारक निवेश पर अक्सर उस अवधि के दौरान विचार किया जाता है जब मूल्योंना अपने चरम पर होता है, विकास के अवसर कम हो जाते हैं, और निवेशक मजबूत बुनियादी बातों वाली कंपनियों पर ध्यान केंद्रित करके स्थिरता की तलाश करते हैं। ऐसी अवधियों में गुणवत्ता कारक अस्थिर बाजार स्थितियों में कुछ हद तक लचीलापन और स्थिरता प्रदान करके निवेशकों को अनिश्चितता का प्रबंधन करने में मदद कर सकता है। स्थिरता और विकास को संतुलित करने की इसकी क्षमता के कारण बाजार में कम विषमता होने पर यह एक पसंदीदा रणनीति बन जाती है।

क्या है गुणवत्ता कारक

गुणवत्ता कारक एक निवेश रणनीति है, जिसके अंतर्गत उन कम्पनियों को चुना जाता है, जिनकी बुनियादी बातें मजबूत होती हैं। यह उन फर्मों पर ध्यान केंद्रित करता है, जिनके पास लाभप्रदता, कुशल पूंजी उपयोग और वित्तीय स्थिरता का सिद्ध ट्रैक रिकॉर्ड है। ये कम्पनियाँ अक्सर कम अस्थिरता प्रदर्शित करती हैं, जिससे वे स्थिरता की तलाश करने वाले निवेशकों के लिए उपयुक्त बन जाती हैं।

इक्विटी वार रिटर्न (आरओई): यह

- मापता है कि कम्पनी शेयरधारकों की इक्विटी से कितने प्रभावी ढंग से लाभ कमाती है।
- ऋण-से-इक्विटी अनुपात : यह अनुपात वित्तीय उत्तोलन और कंपनी द्वारा अपने ऋण को जिनमेदारी से प्रबंधित करने की क्षमता का आकलन करता है।
- आय स्थिरता : यह अनुपात समय के साथ कंपनी की आय की स्थिरता का मूल्यांकन करता है।
- उपार्जन अनुपात : यह नकदी प्रवाह प्रबंधन का विश्लेषण करके आय की गुणवत्ता निर्धारित करता है।
- इन कारकों पर ध्यान केंद्रित करके, गुणवत्तापूर्ण निवेश यह सुनिश्चित करता है कि पोर्टफोलियो में वयनित कंपनियों के पास टिकाऊ व्यवसाय मॉडल हों और वे वित्तीय संकट से कम प्रभावित हों।



यह एक विश्वसनीय रणनीति

गुणवत्तापूर्ण निवेश अस्थिर बाजारों में बने रहने के लिए एक विश्वसनीय रणनीति है, जिसमें मजबूत बुनियादी बातों, स्थिर आय और कुशल पूंजी आवंटन वाली कंपनियों पर जोर दिया जाता है। भारतीय और वैश्विक बाजारों में मौजूदा अनिश्चितता को देखते हुए, गुणवत्ता कारक निवेशकों को दीर्घकालिक विकास के अवसरों को प्राप्त करते हुए नकारात्मक जोखिमों से बचने का एक संरचित तरीका प्रदान करता है। जैसे-जैसे निवेश के रुझान बढ़ते हैं, वित्तीय और मौलिक रूप से मजबूत कंपनियों पर ध्यान केंद्रित करने से निवेशकों को अधिक मंदी का सामना करने और मंदियों के बाजार सुधारों में भाग लेने में मदद मिल सकती है।

गुणवत्ता सूचकांक ने पिछले 19

कैलेंडर वर्षों में 72% मामलों में अपने मूल सूचकांक से बेहतर प्रदर्शन किया है, जो इसकी निरंतरता को दर्शाता है। यह दर्शाता है कि गुणवत्ता सिर्फ एक कारक नहीं है, बल्कि यह दीर्घकालिक बेहतर प्रदर्शन की तलाश के लिए एक संरचित दृष्टिकोण भी हो सकता है।

क्वालिटी फैक्टर विश्वसनीय विकल्प

मजबूत वित्तीय मेट्रिक्स वाली कंपनियों आम तौर पर चुनौतीपूर्ण आर्थिक स्थितियों से निपटने और व्यापक बाजार के स्थिर होने पर तेजी से उबरने के लिए बेहतर तरीके से सुसज्जित होती हैं। अनिश्चित समय या शुरुआती रिकवरी चरणों के दौरान, निवेशक अक्सर सिद्ध ट्रैक रिकॉर्ड वाली वित्तीय रूप से स्थिर कंपनियों की ओर आकर्षित होते हैं। गुणवत्ता कारक मंदी और बाजार की रिकवरी के दौरान बाजार में बने रहने के लिए विशेष रूप से प्रभावी होता है। मंदी के दौर में, इसने औसतन सिर्फ -27% की गिरावट का अनुभव किया, जो कम अस्थिरता कारक से थोड़ा कम है, जिसे अपनी प्रकृति के अनुसार कम गिरावट का अनुभव करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। दिलचस्प बात यह है कि रिकवरी चरण के दौरान, क्वालिटी फैक्टर ने 41% का संवर्धी वार्षिक रिटर्न दिया, जो मूल्योंना कारक फैक्टर के बाद दूसरे स्थान पर है। यह स्थिरता इसे विभिन्न बाजार चक्रों में संतुलित प्रदर्शन की तलाश करने वाले निवेशकों के लिए एक आकर्षक विकल्प बना सकती है।

निष्क्रिय गुणवत्ता कारक निवेश क्यों अहम

1. मानवीय पूर्वाग्रहों को दूर करता है - गुणवत्ता कारक में पैसिव निवेश मात्रात्मक डेटा पर निर्भर करता है, जो भावनात्मक निर्णय लेने से बचाता है।
 2. व्यवस्थित और पारदर्शी - एक नियम-आधारित दृष्टिकोण यह सुनिश्चित करता है कि इसमें केवल वित्तीय रूप से मजबूत कम्पनियों को ही शामिल किया जाए।
 3. बेहतर जोखिम-समायोजित प्रतिफल प्रदान करता है - गुणवत्ता निवेश कम लागत के साथ स्थिरता, लचीलापन व टिकाऊ दीर्घकालिक विकास प्रदान करता है।
- इक्विटी निवेश के लिए एक अनुशासित दृष्टिकोण की तलाश करने वाले निवेशकों के लिए, निष्क्रिय गुणवत्ता कारक फंड सक्रिय स्टॉक चयन के लिए एक कुशल, कम लागत वाला विकल्प हो सकता है।
- स्रोत: एनएसआई, बीएसआई, एसीआईएमएफ, एमओएएमसी (लेखक मोतीलाल औसवाल एसेट मैनेजमेंट कंपनी लि. के बिजनेस पर्सिव फंड प्रमुख हैं।)
- (डिस्कलेमर : म्यूचुअल फंड निवेश बाजार जोखिमों के अधीन है, योजना से संबंधित सभी दस्तावेजों को ध्यान से पढ़ें।)

खबर संक्षेप

पक्षियों के लिए की दाना-पानी की व्यवस्था

चरखी दादरी। सुभाष चौक स्थित संस्कार पब्लिक स्कूल में शनिवार को शिक्षकों और विद्यार्थियों ने मिलकर पक्षियों के लिए दाना-पानी की व्यवस्था की। कार्यक्रम का आयोजन स्कूल की मुख्याध्यापिका अर्चना शर्मा की अध्यक्षता में हुआ तथा समस्त गतिविधियां स्कूल निदेशक डॉ. सुभाष जैन की देखरेख में हुई। इस अवसर पर बच्चों को समझाया कि गर्मी के मौसम में पक्षियों को पानी की आवश्यकता होती है और इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए पानी के सकोरे और विभिन्न स्थानों पर दाने के पात्र स्थापित किए।

कोर्ट परिसर में समरसता कार्यक्रम का आयोजन

भिवानी। कोर्ट परिसर स्थित जिला बार के रिक्रिएशन हाल में शनिवार को अधिवक्ता परिषद की भिवानी इकाई ने सामाजिक समरसता कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिषद की भिवानी इकाई के अध्यक्ष सुमित जांगड़ ने की। कार्यक्रम का शुरुआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई। कार्यक्रम के दौरान जिला महामंत्री अमित बंसल ने बताया कि आयोजन बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के उपलक्ष्य में हुआ।

बैग प्रतियोगिता में दूसरी कक्षा से हिमांशी विजैता

चरखी दादरी। बीआर आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में बेस्ट बैग प्रतियोगिता का आयोजन किया। प्रतियोगिता का आयोजन कक्षा प्रथम से कक्षा आठवीं तक के विद्यार्थियों के लिए किया गया। विद्यार्थियों के बैग की बुक्स, नोटबुक्स, कवर, होम वर्क, साप्ताहिक अध्ययन, लंच बॉक्स, वाटर बोतल आदि विषयों पर बैग चेक किए।

खो-खो स्पर्धा में लड़कियों का शिवाजी सदन प्रथम

बहल। बीआरसीएम ज्ञानकुंज स्कूल में अंतरसदनीय खो-खो प्रतियोगिता का आयोजन किया। प्रतियोगिता में विद्यालय के चारों सदस्यों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। लड़कों व लड़कियों की प्रतिस्पर्धा में शिवाजी सदन ने प्रथम स्थान हासिल किया। शनिवार को स्कूल के खेल ग्राउंड में हुई अंतरसदनीय प्रतियोगिता में विद्यालय के शिवाजी, अशोक, टैगोर व प्रताप सदन के विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में अपने सदन को जीत दिलाने के लिए खिलाड़ियों ने उम्दा प्रदर्शन किया। लड़कियों की प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए शिवाजी सदन ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रताप सदन ने द्वितीय, टैगोर सदन ने तृतीय और अशोक सदन ने चतुर्थ स्थान प्राप्त किया। लड़कों की प्रतियोगिता में भी शिवाजी सदन ने अपनी श्रेष्ठता कायम रखते हुए प्रथम स्थान पर कब्जा जमाया। टैगोर सदन द्वितीय स्थान पर रहा, जबकि प्रताप सदन ने तृतीय और अशोक सदन ने चतुर्थ स्थान प्राप्त किया। प्रधानाचार्य राजेश कुमार झांझरिया और उपप्राचार्य सरस्वती दीक्षित ने विजेता टीमों को बधाई दी और कहा कि खिलाड़ी भविष्य में ऐसे ही अपने प्रतिभा का प्रदर्शन करते रहें। इस अवसर पर शारीरिक शिक्षक नरेश कुमार ने मैच रेफरी की भूमिका निभाई। भीम सिंह और बबीता ने समय पालक और अंक तालिका बनाने का कार्य किया।

शिविरार्थियों को करवाया व्यायाम

साप्ताहिक व्यायाम प्रशिक्षण एवं चरित्र निर्माण संस्कार शिविर के दूसरे दिन सर्वांगसुंदर व्यायाम का अभ्यास

हरिभूमि न्यूज चरखी दादरी

आर्यवीर दल के तत्वावधान में आर्यसमाज मंदिर भांडवा में स्वामी सचिदानंद के नेतृत्व में चल रहे साप्ताहिक व्यायाम प्रशिक्षण एवं चरित्र निर्माण संस्कार शिविर के दूसरे दिन आज प्रमुख व्यायाम शिक्षक नरेश पहलवान एवं सहायक व्यायाम शिक्षक प्रशांत आर्य ने शिविरार्थियों को सर्वांगसुंदर व्यायाम का अभ्यास करवाया। नरेश पहलवान ने बताया कि सर्वांगसुंदर व्यायाम से संपूर्ण शरीर सुंदर सुडौल बनता है। इसके 16 अलग अलग

54 टीमों ले रही हैं भाग, पहले दिन 8 टीमों में हुए मुकाबले सात दिवसीय क्रिकेट स्पर्धा का आगाज, हिसार ने हांसी को हराया

नशे के खिलाफ आईसीएस कोचिंग अकेडमी ने किया क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन

हरिभूमि न्यूज भिवानी

युवाओं को नशे से दूर रखने और खेलों की ओर प्रेरित करने के उद्देश्य से आईसीएस कोचिंग द्वारा भिवानी-हांसी रोड पर स्थित जीत-लिट्रा वैली खेल मैदान में सात दिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता का आगाज बड़े ही उत्साह और जोश के साथ हुआ। प्रतियोगिता का उद्घाटन हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन डा. पवन कुमार व आईसीएस के निदेशक परमल ने किया तथा इस तरह की पहल को समाज के लिए बेहद जरूरी बताया। इसके अलावा विशिष्ट अतिथि के तौर पर भाजपा जिला अध्यक्ष विरेंद्र कौशिक, भाजपा नेता ठाकुर विक्रम सिंह पहुंचे। यह जानकारी देते हुए आईसीएस तोशाम के निदेशक मनजीत सिंह ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत रंगारंग



भिवानी। प्रतियोगिता में उपस्थित लोग।

प्रतियोगिता का उद्देश्य युवाओं को नशे से दूर रखना

इस मौके पर हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन डा. पवन कुमार व आईसीएस के निदेशक परमल ने बताया कि इस प्रतियोगिता का उद्देश्य सिर्फ खेल नहीं, बल्कि युवाओं को नशे जैसी बुराइयों से दूर रखना है। उन्होंने कहा कि आज का युवा अंतर मैदान में पर्योना बहाता है, तो कल समाज के लिए गिनाल बनता है। यही हमारा मकसद है कि नशे से मुक्ति और स्वस्थ जीवन की ओर कदम। स्थानीय लोगों और खिलाड़ियों के परिवारजनों ने इस पहल की सराहना की और उम्मीद जताई कि इस तरह की प्रतियोगिताएं युवाओं को एक सकरात्मक दिशा देने में अहम भूमिका निभाएंगी। इस अवसर पर आईसीएस के सभी बांचों के निदेशक सहित अन्य खेलप्रेमी मौजूद रहे।

हांसी की टीम के बीच रोमांचक मुकाबला देखने को मिला तथा हिसार की टीम विजेता रही। मैदान पर खिलाड़ियों के जोश और दर्शकों की तालियों ने माहौल को और भी ऊर्जावान बना दिया।

एसडीएम ने बच्चों संग किया पौधरोपण

मौसम चक्र को संतुलित करने में पेड़ पौधों का महत्वपूर्ण योगदान

हरिभूमि न्यूज चरखी दादरी

राजकीय प्राथमिक पाठशाला कारीदास परिसर में कार्यक्रम का आयोजन किया। बतौर मुख्यातिथि एसडीएम लोहारू मनोज कुमार दलाल ने शिरकत कर बच्चों के साथ पौधरोपण किया और विद्यार्थियों को बढ़ती गर्मी में बचाव के बारे में जागरूक किया। अध्यक्षता मुख्य अध्यापक नसीब सिंह सांगवान व अनिल ने की इस दौरान विद्यालय परिसर व आसपास के क्षेत्र में बच्चों के हाथों अलग अलग किस्म के पौधों को रोपित करवाया। एसडीएम दलाल ने बच्चों को समझाया कि जितनी तेजी से पेड़ कम हो रहे है,



चरखी दादरी। बच्चों के साथ पौधरोपण करते एसडीएम मनोज कुमार दलाल व अन्य।

उतनी तेजी से गर्मी हर साल बढ़ती जा रही है। मौसम चक्र को संतुलित करने में पेड़ पौधों का महत्वपूर्ण योगदान होता है, इसलिए बच्चे अपने घर के आंगन व आसपास की कच्ची जमीन पर नए पेड़ों को रोपित करें, गमलों में फूलदार छोटे छोटे

पढ़ाई के साथ खेल में भाग लेना जरूरी: कौशिक

खेलों में भाग लेने से मिलता है बुरी लत से छुटकारा

डीसी महावीर कौशिक ने किया तीन दिवसीय बैडमिंटन प्रतियोगिता का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज भिवानी

डीसी महावीर कौशिक ने कहा कि 10-12 साल की आयु से ही बच्चों को खेलों में डालना जरूरी है। इससे बच्चों की मोबाइल देखने की आदत छूटेगी। खेलने से बच्चों का शारीरिक व बौद्धिक विकास होगा। खेलने वाले बच्चे बुरी संगत व बुरी लत से बचेंगे। डीसी श्री कौशिक कर्मयोगी स्वर्गीय ज्ञानी राम कुकरेजा की स्मृति में भिवानी बैडमिंटन वेलफेयर एसोसिएशन के तत्वावधान में भीम

पढ़ाई के साथ खेल में भाग लेना जरूरी: कौशिक

खेलों में भाग लेने से मिलता है बुरी लत से छुटकारा

डीसी महावीर कौशिक ने किया तीन दिवसीय बैडमिंटन प्रतियोगिता का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज भिवानी

स्टेडियम में आयोजित तीन दिवसीय बैडमिंटन प्रतियोगिता के शुभारंभ अवसर पर अपना संदेश दे रहे थे। उन्होंने कहा कि मिनी यूथ के नाम से विख्यात भिवानी को भी सानिया नेहवाल और पीवी सिंधु जैसे खिलाड़ियों की तलाश है। भिवानी में खेल प्रतिभा की कमी नहीं है। भिवानी के खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा से दुनिया में अपना नाम कमाया है। उन्होंने कहा कि पढ़ाई

पढ़ाई के साथ खेल में भाग लेना जरूरी: कौशिक

खेलों में भाग लेने से मिलता है बुरी लत से छुटकारा

डीसी महावीर कौशिक ने किया तीन दिवसीय बैडमिंटन प्रतियोगिता का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज भिवानी

के साथ-साथ बचपन से ही किसी न किसी खेल में भाग लेना जरूरी है। खेलों से मानसिक और बौद्धिक विकास होता है। खेलों से प्रतिस्पर्धा की भावना प्रबल होती है और जीवन में आगे बढ़ाने की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने कहा कि भिवानी बैडमिंटन एसोसिएशन की यह बहुत ही अच्छी पहल है। प्रतियोगिता के दौरान डीसी महावीर कौशिक ने भी बैडमिंटन में अपने हाथ आजमाए

पढ़ाई के साथ खेल में भाग लेना जरूरी: कौशिक

खेलों में भाग लेने से मिलता है बुरी लत से छुटकारा

डीसी महावीर कौशिक ने किया तीन दिवसीय बैडमिंटन प्रतियोगिता का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज भिवानी

रे रहे मौजूद इस मौके पर विशिष्ट अतिथि जवाहर यादव मितालिया, संस्था के प्रधान सुरेश गुप्ता, डीपी अनिल सांगवान, प्रो मितेश शर्मा, साई कोच रोहित, अर्जुन अर्वाडी रोहित भाकर, कोच महेश कुमार, पवन शर्मा, दीवान चंद रहेजा, पवन मरठा, सुमित दहिया और कौशिक कुमार सहित अनेक खेल प्रेमी और गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

किसी से मित्रता करें तो भगवान कृष्ण जैसी

मित्र हमारे सुख-दुःख के साथी होते: करिश्मा

भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा की कहानी मित्र के प्रति ईमानदारी, त्याग एवं सम्मानभाव दिखाती: भट्ट

हरिभूमि न्यूज चरखी दादरी

हिंदू नववर्ष के उपलक्ष्य में ब्राह्मण भवन में आयोजित साप्ताहिक श्रीमद्भागवत कथा के सातवें दिन कथावाचिका करिश्मा भट्ट ने श्रद्धालुओं को भगवान श्रीकृष्ण सुदामा प्रसंग का वर्णन सुनाया। उन्होंने सभी को संदेश दिया कि अगर हम किसी से मित्रता करें तो भगवान श्रीकृष्ण सुदामा जैसी होनी



चरखी दादरी। कथा का वाचन करती करिश्मा भट्ट। फोटो: हरिभूमि

चाहिए। मित्रता में आपसी भाईचारा, प्रेम तथा सद्भावना के गुण सर्वप्रथम होने चाहिए। हमारे लिए हमारे मित्र की भलाई का भाव हृदय में सबसे प्रथम रहना चाहिए। सच्चा दोस्त वहीं है जो मुसीबत में साथ दे, ये तभी संभव है जब दोस्ती में निस्वार्थ भाव समाया हो। उन्होंने कहा कि समस्त पूजा अर्चना को विधि विधान सहित धर्म प्रचार प्रसार प्रमुख आनन्द शास्त्री ने पूरा करवाया।

विद्यार्थियों ने रैली से किया जागरूक

कौशल भारत-कुशल भारत के तहत निकाली रैली

हरिभूमि न्यूज भिवानीखेड़ा

बवानी खेड़ा के राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में विद्यालय प्राचार्या श्रीमती संतोष भाकर के निर्देश पर वोकेशनल टीचर गीता रानी व गोल्डी ग्रावर के मार्गदर्शन में एक जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। रैली को प्राचार्या संतोष भाकर ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह जागरूकता रैली कस्बे के लोगों को कौशल शिक्षा के बारे में जागरूक करने के लिए निकाली गयी। इस दौरान एनएसक्यूएफ छात्रों ने कौशल भारत-कुशल भारत,

विद्यार्थियों ने रैली से किया जागरूक

कौशल भारत-कुशल भारत के तहत निकाली रैली

हरिभूमि न्यूज भिवानीखेड़ा

कुशल बनों-योग्य बनों कुशल बनें, देश अपना, यही है हर युवा का सपना का संदेश देते हुए विभिन्न मार्गों से गुजरते हुए निर्धारित स्थान पर पहुंची। इस अवसर पर विद्यालय प्राचार्या ने छात्रों को कौशल शिक्षा से अवगत कराया उन्होंने बताया कि

विद्यार्थियों ने रैली से किया जागरूक

कौशल भारत-कुशल भारत के तहत निकाली रैली

हरिभूमि न्यूज भिवानीखेड़ा

छात्र कौशल शिक्षा प्राप्त करके शिक्षा के साथ साथ रोजगार प्राप्त कर सकते हैं। छात्रों को रोजगार के विषय में चिन्ता नहीं रहेगी। वहीं उन्होंने बताया कि परिजन भी अपने बच्चों के भविष्य को लेकर चिंतित नजर आते हैं।

शिविरार्थियों को करवाया व्यायाम

साप्ताहिक व्यायाम प्रशिक्षण एवं चरित्र निर्माण संस्कार शिविर के दूसरे दिन सर्वांगसुंदर व्यायाम का अभ्यास

हरिभूमि न्यूज चरखी दादरी

आर्यवीर दल के तत्वावधान में आर्यसमाज मंदिर भांडवा में स्वामी सचिदानंद के नेतृत्व में चल रहे साप्ताहिक व्यायाम प्रशिक्षण एवं चरित्र निर्माण संस्कार शिविर के दूसरे दिन आज प्रमुख व्यायाम शिक्षक नरेश पहलवान एवं सहायक व्यायाम शिक्षक प्रशांत आर्य ने शिविरार्थियों को सर्वांगसुंदर व्यायाम का अभ्यास करवाया। नरेश पहलवान ने बताया कि सर्वांगसुंदर व्यायाम से संपूर्ण शरीर सुंदर सुडौल बनता है। इसके 16 अलग अलग



चरखी दादरी। शिविर में युवाओं को योग अभ्यास करवाते प्रशिक्षक।

अभ्यास हैं, जिनसे शरीर के प्रत्येक अंग का व्यायाम हो जाता है। प्रत्येक व्यक्ति को ये अभ्यास करने चाहिए। इस अवसर पर स्वामी सचिदानंद ने कहा कि बहुत समय पर सही निर्णय लेना बहुत जरूरी है, सही समय पर सही निर्णय लिया जाए और सही काम किया जाए तो परिणाम भी सही आएगा। परिणाम तब और अधिक अच्छे आते हैं, जब कोई काम सही समय पर किया जाता है। उन्होंने कहा कि जब व्यक्ति पूरी प्रसन्नता उत्साह निश्चय और आत्मविश्वास के साथ अपना जीवन जीता है, तो इसको जीवित रहना और अच्छा जीवन जीना कहते हैं। कहलाती है। इस अवसर पर सुमंत्र आर्य, अजय शास्त्री, जगमाल आर्य, महिपाल, पुनीत, सत्यम, विचार आदि की उपस्थिति रही।

अंबेडकर जयंती पखवाडा के तहत भाजपा कार्यालय में बैठक

बाबा साहब के दिखाए मार्ग पर चल रही भाजपा

कांग्रेस ने हमेशा किया बाबा साहब के संविधान व विचारों का अपमान: वाल्मीकि

हरिभूमि न्यूज भिवानी

संविधान निर्माता बाबा साहब डा. भीमराव अंबेडकर जयंती पखवाडा के तहत शनिवार को जिला भाजपा कार्यालय में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता भाजपा जिला अध्यक्ष विरेंद्र कौशिक ने की तथा बतौर मुख्य वक्ता बवानीखेड़ा से विधायक कपूर वाल्मीकि पहुंचे। इस मौके पर जयंती संयोजक एवं पूर्व जिला



भिवानी। बैठक में पदाधिकारियों को संबोधित करते विधायक कपूर सिंह वाल्मीकि।

अध्यक्ष नंदराम धनिया, सह संयोजक सोनिया अत्री, अमित महता, रामकिशन कुड्डल भी मौजूद रहे। इस मौके पर नंदराम धानीया ने बाबा साहब का सपना था एक ऐसा समाज जहां किसी के साथ भेदभाव

अंबेडकर का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत

इस मौके पर विधायक कपूर वाल्मीकि ने डा. अंबेडकर के संविधान निर्माण में दिए गए योगदान, सामाजिक न्याय की स्थापना और समता के सिद्धांतों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि डा. भीमराव अंबेडकर का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है और उनकी सोच को जन आंदोलन का रूप देना ही सच्ची श्रद्धांजलि है। उन्होंने कहा कि भाजपा का उद्देश्य बाबा साहब के दिखाए मार्ग पर चलते हुए प्रत्येक जन को विकास व तरकी के समान अवसर उपलब्ध करवाना है, जिसके लिए केंद्र की मोदी व प्रदेश की सेनी सरकार अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं लागू कर रही हैं। विधायक ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने हमेशा बाबा साहब के संविधान व विचारों का अपमान किया था तथा भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद, अपराध को बढ़ावा देने का कार्य किया। कांग्रेस ने आमजन के हितों को दरकिनारा करते हुए सिर्फ अपने चहेतों को लाभ पहुंचाने की नीतियां बनाईं, जिसके चलते कांग्रेस शासन में गरीब आदमी का उत्थान नहीं हो पाया।

यह भी निर्णय लिया गया कि डा. भीमराव अंबेडकर जयंती की जयंती पर शनिवार से शुरू हुआ पखवाडा 15 दिनों तक बूथ स्तर पर मनाया जाएगा। जिसके तहत लोगों से मिलकर डा. भीमराव अंबेडकर जयंती के जीवन आदर्श से उनको अवगत करवाया जाएगा।

खबर संक्षेप



दिव्याना व कशिश चुनी गई कक्षा प्रतिनिधि

भिवानी। श्रीमती उत्तमीबाई आर्य कन्या विद्यालय में शनिवार को कक्षा प्रतिनिधि के लिए चुनाव प्रक्रिया सम्पन्न हुई। चुनाव के लिए छात्राओं में विशेष उत्साह देखा गया। कक्षा छठी से आठवीं तक रेनु तंवर, नौवीं से दसवीं तक कृष्ण सैन तथा 11वीं से बारहवीं तक बबिता को देखरेख में चुनाव प्रक्रिया सम्पन्न हुई। कक्षा छठी से दिव्याना, सातवीं ए से कशिश, सातवीं बी से भावना, आठवीं ए से दीक्षा, आठवीं बी से निकिता, नौवीं से अविना, दसवीं से हिमांशी, 11वीं ए से निकिता, 11वीं बी से तनवी, बारहवीं ए से निशा, बी से कुमुकुम ने भारी मत लेकर चुनाव जीता।



किरावड़ स्कूल में मनाया विश्व पृथ्वी दिवस

भिवानी। पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय किरावड़ में विश्व पृथ्वी दिवस मनाया गया। यह हर साल 22 अप्रैल को अंतरराष्ट्रीय पृथ्वी दिवस के रूप में मनाया जाता है। स्कूल में पृथ्वी दिवस के उपलक्ष में आज विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन हुआ तथा इस मौके पर प्रिंसिपल राकेश चराया ने बच्चों को दैनिक जीवन में छोटे-छोटे बदलाव लाकर पर्यावरण की रक्षा करने के लिए प्रोत्साहित किया जैसे प्लास्टिक का उपयोग कम करना बिजली बचाना पेड़ पौधे लगाकर वायु प्रदूषण को कम करना और ऑक्सीजन के स्तर को बढ़ाना है।

सीएम फ्लाइंग व आरटीए विभाग की टीम ने 4 ओवरलॉडिंग वाहनों को पकड़ा

खास बातें

- टीम ने मौके पर खड़ी गाड़ी का ऑनलाइन चालान किया वहीं 3 गाड़ियों को इंपाउंड करके तोशाम की रोडवेज वर्कशॉप में खड़ा कर दिया
- चारों गाड़ियों का चालान करके 2 लाख 52 हजार 5 सौ रुपए का जुर्माना लगाया



तोशाम। सड़क पर खड़ी ओवरलॉड वाहन तथा ओवरलॉड वाहनों के कामजातों की जांच करती टीम।



फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ तोशाम

शुक्रवार देर रात्रि मुख्यमंत्री

उड़नदस्ते की टीम ने तोशाम में ओवरलॉडिंग के खिलाफ कार्यवाही करते हुए खरकड़ी सोहन मार्ग से ओवरलॉड 4 गाड़ियों को काबू किया। एक गाड़ी का ड्राइवर गाड़ी को मौके पर छोड़कर हुआ फरार।

इस दौरान पहुंची आरटीए भिवानी की टीम ने मौके पर खड़ी गाड़ी का ऑनलाइन चालान किया वहीं 3 गाड़ियों को इंपाउंड करके तोशाम की रोडवेज वर्कशॉप में खड़ा किया। टीम ने चारों गाड़ियों का चालान

वक्फ संशोधनों को लेकर भड़की हिंसा के बाद देश के हिंदुओं में रोष मुर्शिदाबाद दंगों के खिलाफ विश्व हिंदू परिषद ने किया विरोध प्रदर्शन

जुलूस हांसी गेट, पुराना बस अड्डा होता हुआ लघु सचिवालय पहुंचा



भिवानी। पश्चिमी बंगाल के मामले को लेकर शहर में जुलूस निकालते हुए तथा मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपते हुए।



फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ भिवानी

पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में वक्फ संशोधनों को लेकर भड़की हिंसा के बाद देश के हिंदुओं में रोष है, क्योंकि वहां हिन्दू अल्पसंख्यक हैं तथा उन पर अत्याचार हो रहे हैं, तो वहीं दंगों के बाद कई हिंदू परिवार पलायन करने पर मजबूर हैं और ममता सरकार हाथ पर हाथ धरे बैठी है। इसी के विरोध में आज देश भर में विश्व हिंदू परिषद व तमाम हिन्दू संगठनों ने एकजुट होकर रोप प्रकट किया तथा राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन पत्र सौंपा गया। शनिवार को तमाम हिन्दू संगठन भिवानी के नेहरू पार्क में एकत्रित हुए और ममता सरकार को हटाकर बंगाल में राष्ट्रपति शासन

मुर्शिदाबाद दंगों को प्रमुखता से संज्ञान में ले। प्रदीप बंसल, ललित विश्व हिन्दू परिषद के सदस्यों ने बताया कि विगत में पश्चिमी बंगाल में वक्फ बोर्ड मामले को लेकर प्रदर्शन के बहाने हिंदूओं पर जबरदस्त अत्याचार किए। हिंदू परिवार के लोगों घर प्रतिष्ठानों को जला दिया। अनेक लोगों के साथ अत्याचार किए। हिंदू समाज के लोगों को घर से बेघर

कर दिया। अब हिंदू परिवार वहां से पलायन को मजबूर है। लोगों ने घर छोड़ दिए। राहत शिविरों में रात गुजार रहे हैं। उनके पास एक दिन का भी खाने के लिए राशन नहीं है। हिंदू परिवारों का सब कुछ बर्बाद हो गया। उसके बावजूद वहां की सीएम ममता बनर्जी ने पीड़ितों की व्यथा ही नहीं सुनी, बल्कि मुस्लिम समुदाय के लोगों के साथ कार्यक्रमों में शामिल हो रही है। उन्होंने उपायुक्त को सौंपे ज्ञापन के माध्यम से राष्ट्रपति से वहां पर राष्ट्रपति शासन लागू करने की मांग की। साथ ही वहां पर हिंदूओं के साथ हो रहे अत्याचारों पर रोक लगाई जाए। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि अगर वहां पर शांति बहाल नहीं हुई और न ही राष्ट्रपति शासन लागू हुआ तो वे सड़कों पर उतरने को मजबूर होंगे।

स्कूल बसों की खाभियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा : एसडीएम

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ तोशाम

एसडीएम डॉ अश्वरी सिंह नैन ने कहा कि स्कूल बसों की खाभियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। डॉ नैन ने कहा कि स्कूल संचालक सुरक्षित स्कूल वाहन पॉलिसी में निर्धारित मानकों व मापदंडों की पूर्ण अनुपालना सुनिश्चित करें। स्कूल वाहन के कारण होने वाली सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए प्रशासन सरकार के निर्देशानुसार सजग एवं सतर्क हेतु सुरक्षित स्कूल वाहन पॉलिसी के तहत किसी भी रूप से नियमों की अनदेखी करने वाले स्कूल संचालकों पर सख्त कार्यवाही की जाएगी। डॉ अश्वरी सिंह नैन ने कहा कि स्कूली बच्चों को घर से स्कूल तक सुरक्षित ले जाना व लाना तथा स्कूल में सुरक्षित माहौल प्रदान

स्कूल संचालक सुरक्षित स्कूल वाहन पॉलिसी में निर्धारित मानकों व मापदंडों को पूरा करें

करना स्कूल प्रबंधन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की सुरक्षा को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह से गंभीर है। विद्यार्थियों की सुरक्षा के साथ किसी भी स्तर पर कोई लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। स्कूल संचालक या प्रबंधक अपने सभी वाहनों के सुरक्षित स्कूल वाहन नीति की शत-प्रतिशत अनुपालना करें। डीसी महावीर कौशिक के निर्देश पर एसडीएम ने सुरक्षित स्कूल वाहन पॉलिसी के तहत खाभियां मिलने पर स्कूल संचालकों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि जिन स्कूल संचालकों द्वारा सुरक्षित स्कूल वाहन पॉलिसी में निर्धारित मानकों व मापदंडों की पालना नहीं होगी।

उनके खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाएगी।

उन्होंने स्कूल संचालक व प्रबंधक को सख्त हिदायत देते हुए कहा कि स्कूल बसों की चेंकिंग का मुख्य उद्देश्य स्कूली बच्चों की यात्रा को सुरक्षित बनाना है। विद्यालयों में सुरक्षित स्कूल वाहन पॉलिसी में निर्धारित मानकों व मापदंडों की पूर्ण अनुपालना सुनिश्चित करें। स्कूल बसों में सीसीटीवी कैमरा, स्पीड गवर्नर, फ्रस्ट एड बॉक्स, जीपीएस सिस्टम, प्रशिक्षित चालक, प्रतिशत आदि सभी मानकों की पालना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के सुरक्षित आवागमन की पूरी जिम्मेदारी स्कूल प्रबंधन की है। जिन विद्यालय में सुरक्षित स्कूल वाहन पॉलिसी के तहत निर्धारित मानकों व मापदंडों में कमी पाई जाती है तो जिला प्रशासन द्वारा कार्रवाई की जाएगी।



भिवानी। बच्चों को आग पर काबू पाने के टिप्स देते कर्मचारी।

एचडी पब्लिक स्कूल में राष्ट्रीय अग्नि सुरक्षा सप्ताह मनाया

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ घरखीं दाटरी

एचडी पब्लिक स्कूल बिरौहड़ में राष्ट्रीय अग्नि सुरक्षा सप्ताह मनाया, जिसमें झाड़ली प्लांट से अग्नि सुरक्षा अधिकारी सुरतसंज महडू ने आग से सुरक्षा बचाव के बारे में विस्तार से बताया। स्कूल निदेशक बलराज फोगाट ने बताया कि हर साल 14 से 20 अप्रैल तक राष्ट्रीय अग्नि सुरक्षा सप्ताह मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य आग से होने वाले खतरों के प्रति जागरूकता फैलाना है। उन्होंने कहा कि छोटी सी समझ से हम किसी छोटी घटना पर काबू

किताबी ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक ज्ञान भी जरूरी

पा लेते हैं तो बड़ी दुर्घटना से बच सकते हैं। किताबी ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक एवं दैनिक जीवन में आ रही समस्याओं का निदान हम अपने स्तर पर बाखूबी छोटी घटना पर काबू पा सकते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को कहा कि जब आप कभी बड़े सिनेमाघर या बड़े मॉल में खरीददारी के लिए जाते हैं तो मौला या सिनेमा हाल के निकास एवं प्रवेश द्वार के बारे में जानकारी होना अति आवश्यक है।

राज्य वरिष्ठ महिला रग्बी सेवन टीम नेशनल चैंपियनशिप के लिए रवाना

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ तोशाम

गुवाहाटी में 23 अप्रैल से आयोजित सौनियर नेशनल महिला रग्बी सेवेंस प्रतियोगिता के लिए प्रदेश की टीम रवाना हो गई। खेलप्रेमियों ने टीम को जीत का आशीर्वाद देते हुए रवाना किया। अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी व एसोसिएशन जिला सचिव कोच राजेश तक्षक ने बताया कि प्रदेश की महिला टीम की तैयारी के लिए स्टेट लेवल प्रशिक्षण शिविर बबिता सिंह की देखरेख में कोच अमन मलिक एवं उनकी अनुयायियों में पानीपत के उग्राखेड़ी रग्बी फील्ड पर 10 से 19 अप्रैल तक लगाया गया था। उन्होंने बताया कि टीम में 12 खिलाड़ियों के साथ 2 सब्स्टीट्यूट खिलाड़ियों को रखा गया है। टीम कोच रग्बी इंडिया लेवल वन क्वालीफाइड कोच सुदेश कुमारी और मैनेजर राजेश



भिवानी। टीम को रवाना करते खेलप्रेमी।

तक्षक टीम के साथ रहेंगे। टीम को सोनीपत रग्बी संघ के सचिव एवं इनेलो खेल प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक नरेंद्र मोर ने जर्सी प्रदान कर विजेता बनने की शुभकामनाएं दी। इसके साथ ही पूर्व कमिश्नर एवं खेल निदेशक हरियाणा जगदीप सिंह ने हरियाणा महिला रग्बी टीम को शुभकामनाएं प्रेषित की हैं। महिला टीम को विधायक सुनील संगवान, विधायक उमदे पातुवासा, जिला रग्बी संघ प्रधान अधिकवक्ता मेहरचंद सांगवान, पूर्व चेयरमैन जयराम प्रेमी, ओमबीर महाराणा, अधिकवक्ता कुलवंत, रविंद्र तक्षक, जयभगवान ठकेदार, पानीपत रग्बी संघ के सचिव अजय मलिक, कोच राजेश तक्षक, सुदेश कुमारी ने शुभकामनाएं दीं।



बवानीखेड़ा। राजकीय मॉडल संस्कृति प्राथमिक पाठशाला विद्यार्थी रेलवे की जानकारी लेते हुए। फोटो : हरिभूमि

विद्यार्थियों ने रेल गाड़ियों के संचालन की ली जानकारी

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ बवानीखेड़ा

बवानी खेड़ा के राजकीय मॉडल संस्कृति प्राथमिक पाठशाला के शिक्षकों में कृष्ण कुमार व पंकज कुमार के नेतृत्व में विद्यालय के दूसरी व पांचवी कक्षा के छात्रों ने रेलवे स्टेशन पहुंचकर रेलवे कर्मचारियों के मार्गदर्शन में रेल गाड़ियों के संचालन संबंधी जानकारी ली व शैक्षणिक जानकारी प्राप्त की।

दोनों शिक्षकों ने बताया कि शैक्षणिक भ्रमण का उद्देश्य छात्रों को रेलगाड़ियों के विषय में जानकारी देना था। उन्होंने बताया कि भविष्य में भी इन बच्चों को शैक्षणिक जानकारी के लिए अन्य स्थानों पर ले जाया जाए ताकि वे रेल जानकारियों को भविष्य के लिए अपने मस्तिष्क में रखकर भविष्य में इसका लाभ ले सकें। वहीं विद्यालय मुखिया शारदा रानी ने बताया कि इस कार्यक्रम के तहत बच्चों ने अपने विचार भी सांझा किए और बताया कि बच्चे इसका लाभ ले सकेंगे।

बवानी खेड़ा के विश्राम गृह में बेटियों के नाम पर विशेष कार्यक्रम आयोजित

बेटियों के सम्मान में बवानी खेड़ा में सर्व कल्याण मंच ने लगाई नाम पट्टिकाएं

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ बवानीखेड़ा

बवानी खेड़ा के विश्राम गृह में बेटियों के नाम पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें समाजसेवी एवं सर्व कल्याण मंच के अध्यक्ष नवीन कौशिक, विधायक कपूर बाल्मीकि, नपा चेयरमैन सुंदर अत्री, मंच सदस्य भारत कौशिक, नपा पार्षदों ने अपनी उपस्थित दर्ज कराई। मंच द्वारा बवानी खेड़ा में बेटियों के नाम से नाम पट्टिका लगाई गई। कार्यक्रम का आयोजन पूरे उत्साह और सम्मान के साथ किया गया, जिसमें बवानी खेड़ा के विधायक कपूर सिंह, मंच के अध्यक्ष नवीन कौशिक, स्थानीय पार्षदगण, समाजसेवी, बुजुर्ग नागरिक ने कार्यक्रम में पहुंचकर चार चांद लगा दिए। इस अवसर पर सर्व कल्याण मंच की टीम ने सभी गणमान्य अतिथियों को विशेष रूप से बेटियों के नाम वाली नाम पट्टिकाएं भेंट



बवानीखेड़ा। बवानी खेड़ा के विश्राम गृह में बेटियों के नाम पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन में विधायक बेटियों के नाम की प्लेट दिखाते हुए। फोटो : हरिभूमि

की, जिससे यह संदेश दिया गया कि समाज को बेटियों के अस्तित्व और योगदान को न केवल स्वीकार करना है, बल्कि खुले दिल से उन्हें सम्मान देना है। बवानी खेड़ा में चयनित स्थानों पर मंच के सदस्यों भारत कौशिक, पवन, संदीप, प्रदीप, प्रवीण इत्यादि द्वारा नाम पट्टिकाएं लगाई गईं, जिन पर स्थानीय बेटियों के नाम अंकित किए गए। यह एक ऐसा प्रयास है जो ना केवल बेटियों को गौरवान्वित करता है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बनता है। उन्होंने मंच पर आकर इस पहल की सराहना की और कहा कि यह कार्यक्रम सामाजिक चेतना को जागृत करने वाला है। इस अभियान के माध्यम से सर्व कल्याण मंच ने यह संशक्त संदेश दिया कि बेटियां किसी भी दृष्टिकोण से कम नहीं हैं। अगर समाज उन्हें उचित अवसर दे तो वे

हर क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त कर सकती हैं। विधायक कपूर सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि यह एक सराहनीय पहल है। जब समाज अपनी बेटियों को सम्मान देता है, तभी सच्चे अर्थों में प्रगति करता है। बेटियों के नाम पर घरों का नामकरण एक अनूठा विचार है, जो अन्य स्थानों पर भी अपनाया जाना चाहिए। सर्व कल्याण मंच समाज सेवा का एक जीवंत उदाहरण बन चुका है। इस प्रकार की पहलें सामाजिक चेतना को नया आयाम देती हैं। सर्व कल्याण मंच के अध्यक्ष नवीन कौशिक ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य केवल प्रतीकात्मक सम्मान देना नहीं, बल्कि समाज को यह अहसास कराना है कि बेटियां हर घर की शान हैं। जब हम उनके नाम को सार्वजनिक स्थलों पर स्थान देते हैं, तो यह न सिर्फ उनके आत्मविश्वास को बढ़ाता है, बल्कि पूरे समाज को प्रेरित करता है। उन्होंने कहा कि

बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ

जय हिन्द आयुर्वेद एवं इलेक्ट्रो होम्योपैथी

भिवानी का पहला हेल्थ केयर जहां नाड़ी डिटिलल मशीन से देव का रिपोर्ट कार्ड साप दिया जाता है ताकि उचित इलाज किया जा सके।

- जैसे गाड़ी की सर्विस करवाते हो वैसे ही अपनी बाड़ी की सर्विस करवाएं ताकि बीमारी पास ही न आए।
- सभी बीमारियों का इलाज दवा से और बिना दवा के।
- लोपोमा का गांठ बिना ऑपरेशन इलाज।
- पीत पथरी, किडनी की पथरी, पेट की सभी बीमारियां का इलाज।
- शुक्रा का इलाज, बवासीर और भगदंड का इलाज।
- ओरलों की सभी बीमारी का इलाज।
- एक ही जगह सभी थेरेपी फिजियो थेरेपी, नाचरोथी (योगी पानी से इलाज), एक्टोपैथर थेरेपी, क्वा थेरेपी, मीगा थेरेपी, और बिना किसी साइड इफेक्ट के इलेक्ट्रो होम्योपैथी से सभी बीमारी का इलाज।
- सभी थेरेपी का डिप्लोमा और अनुभवी डॉक्टर द्वारा ट्रेनिंग दी जाती है।
- अपने बॉस खुद बने और वेतोजगारी से मुक्ति पाए गहने का 30/50 हजार कमाए खुद थेरेपिस्ट बने।

Dr. Krishan Singh (Naturopath) (रिटाइरड फौजी)
BEMS, DNYs (MD), D.Ay.A, D.ma.T, D.Ay, D.P.K., DPT

मकान नं. 4, पटेल नगर, सीआईटी ऑफिस के सामने, भिवानी
सम्पर्क सूत्र: 6005452863

कवर स्टोरी
डॉ. माजिद अलीम

जलवायु, मौसम और बारिश के पैटर्न को ही नहीं बल्कि ग्लोबल वार्मिंग, हमारी हेल्थ और फिटनेस पर भी अब तेजी से असर डाल रही है। ग्लोबल वार्मिंग ने हमारे पर्यावरण को जिस तरह से प्रभावित किया है, उसे तो हम कई सालों पहले से जान रहे हैं, लेकिन अब हमें अपनी हेल्थ पर भी इसके असर दिखने लगे हैं।

बढ़ते हीट स्ट्रोक

हम सब जानते हैं कि ज्यादा तापमान में व्यायाम करने से शरीर में डिहाइड्रेशन होने और हीट स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है, इन दिनों ऐसा ही हो रहा है। पिछले दो सालों में यूरोप और अमेरिका में सबसे ज्यादा डिहाइड्रेशन और हीट स्ट्रोक के मामले सामने आए हैं। विशेष रूप से उन क्षेत्रों में, जहां पहले कभी हीट वेव नहीं चला करती थी। पेरिस, न्यूयॉर्क और लंदन में भी हाल के सालों में साइकिलिंग के दौरान लोगों में हीट स्ट्रोक के केसेस 5 से 15 फीसदी तक बढ़े हैं। न्यूयॉर्क में 2023 और 2024 में हीट स्ट्रोक की जितनी घटनाएं सामने आई हैं, पिछली सदी में उसके 10वें हिस्से के बराबर भी नहीं आई थीं। जाहिर है, ये बढ़ते तापमान का नतीजा है। यही वजह है कि यूरोप और अमेरिका के ज्यादातर शहरों में अब खासतौर पर जिम की नई गाइडलाइन्स में एक्सरसाइज के लिए शाम और सुबह को प्राथमिकता दी जा रही है।

बिगडती एयर क्वालिटी

दिल्ली और मुंबई समेत देश के कई मेट्रो शहरों में पिछले तीन सालों में वायु प्रदूषण बेहद खराब स्तर का हो गया है। दिल्ली में तो प्रतिवर्ष हवा की खराब गुणवत्ता के कारण इससे बीमार पड़ने और मरने वाले लोगों की संख्या में 10 हजार से 15 हजार के बीच इजाफा हुआ है। दिल्ली में पिछले पांच सालों से हवा औसतन साल के 300 दिन सामान्य से



संकट
नरेंद्र शर्मा

हर साल 22 अप्रैल पृथ्वी दिवस के अवसर पर पूरी दुनिया के 190 से ज्यादा देश मिलकर पृथ्वी की दिनों-दिन बिगड़ती सेहत पर चिंता व्यक्त करते हैं, इसे सुधारने का आह्वान करते हैं, नई-नई नीतियां बनाते हैं, लेकिन नतीजा न केवल वही रहता है बल्कि लगातार धीरे-धीरे पृथ्वी की सेहत बंद से बदतर होती जा रही है। **बीत गई आधी सदी:** पहली बार 22 अप्रैल 1970 को अमेरिका में दुनिया के कई पर्यावरणविद जुटे थे और उन्होंने चेतावनी दी कि अगर औद्योगिकीकरण के चलते हमारी नदियां इसी तरह कचरे से पटती रहें, हवा में जहर इसी तरह घुलता रहा, पेड़ कटते रहे और ग्लेशियरों की बर्फ पिघलती रही, तो जल्द ही यह धरती इंसानों के रहने लायक नहीं बचेगी। जब वैज्ञानिकों ने पहली बार यह सब चेतावनी के तौर पर ऊंचे स्वर में कहा तो एक स्वाभाविक चिंता बनी और दुनिया की करीब-करीब हर सरकार ने पृथ्वी को बचाने के लिए संकल्प लिया। लेकिन इस सबके बाद भी नतीजा सकारात्मक बिल्कुल नहीं रहा। 1970 में वैज्ञानिकों ने पृथ्वी की सेहत को जिस तरह बिगड़ते हुए पाया था, इन 55 सालों में एक बार भी स्थिति उससे बेहतर नहीं हुई, लगातार पृथ्वी की सेहत खराब ही होती जा रही है। **बातें नहीं लेना होगा एक्शन:** इस साल पृथ्वी दिवस पर पृथ्वी को बचाने के लिए विशेषज्ञों ने जिस थीम का आह्वान किया है, वह है-हमारी शक्ति, हमारा ग्रह। हमारी

गजल
हबीब कैफी

क्या हुआ जो बात करना हमको प्राया ही नहीं फिर भी घेरे पर कोई घेरा लगाया ही नहीं

आप तो क्या चीज है पत्थर पिघल जाते जनाब गीत कोई दिल से अब तक हमने गाया ही नहीं

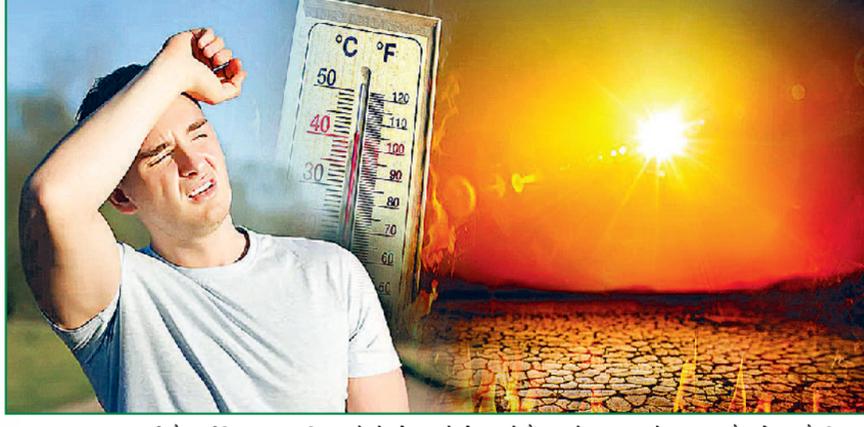
सुकुराया वो मेरे कुछ पूछने पर इस तरह कुछ बताया भी नहीं लेकिन छुपाया ही नहीं

रोज आता है यहाँ वो रात के पिछले पहर नींद से लेकिन कभी उसने जगाया ही नहीं

क्या इराएगा कोई साया रूने 'कैफी' यहाँ उसके रूब बंदे है साहब त्रिसका साया ही नहीं

बिगड़ते पर्यावरण, बदलते जलवायु के कारण धरती के बढ़ते तापमान यानी ग्लोबल वार्मिंग के दुष्प्रभाव दुनिया भर में प्राकृतिक आपदाओं के रूप में दिखने लगे हैं। इसका असर अब हमारी हेल्थ पर भी पड़ने लगा है। कई तरह की शारीरिक और मानसिक समस्याओं से लोग ग्रस्त हो रहे हैं। इनसे कुछ हद तक बचाव के लिए जरूरी सावधानी बरतने के साथ यहां बताई जा रही बातों पर अमल करना जरूरी है।

हमारी हेल्थ को बिगाड़ रही ग्लोबल वार्मिंग



बहुत ज्यादा खराब रहती है। इसीलिए अब दिल्ली में स्वास्थ्य विशेषज्ञ, खासकर फिटनेस के जानकार, बड़े लोगों को सुबह के समय घर से बाहर घूमने जाने की सलाह नहीं देते हैं, क्योंकि दिल्ली में हवा इतनी प्रदूषित है

कि घूमने से जो फायदे हो सकते हैं, उससे कहीं ज्यादा हेल्थ के लिए नुकसान होने की आशंका रहती है। दिल्ली जैसे वायु प्रदूषण से ग्रस्त शहर में सुबह के समय दौड़ने या खुली हवा में योग करने से सांस संबंधी बीमारियां

बढ़ जाने का खतरा पैदा हो गया है। जिस तरह से ऐसे महानगरों की हवा प्रदूषित है, उससे फेफड़ों की क्षमता प्रभावित हो रही है। यही वजह है कि ऐसे प्रदूषित शहरों में कार्डियो वर्कआउट्स कम प्रभावी हो रहे हैं।

स्वस्थ रहने के लिए इन बातों पर करें अमल

वैज्ञानिक पिछले तीन दशकों से दुनिया भर के लोगों को आगह कर रहे हैं कि प्रदूषण का स्तर लगातार बढ़ रहा है। बावजूद इसके ग्लोबल वार्मिंग कम करने के लिए जितने उपाय किए जाने चाहिए, वो नहीं हो रहे हैं। इसलिए स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि प्रदूषण का संकट इतना गहरा हो गया है कि अब इस स्थिति में रातो-रात सुधार नहीं हो सकता है। कहने का मतलब यह है कि अब हमें इसी खराब मौसम और ग्लोबल वार्मिंग के प्रभावों के साथ जीना है। ऐसे में ग्लोबल वार्मिंग के रोकथाम के लिए कुछ बातों पर अमल करना होगा।



व्यायाम हमेशा सुबह या शाम के समय ही करें। जब तापमान और वायु गुणवत्ता दोनों बेहतर हों।
आउटडोर एक्सरसाइज से बचे, क्योंकि इन दिनों प्रदूषण की स्थिति काफी खिगड़ी हुई है और ग्लोबल वार्मिंग से मिलकर यह प्रदूषण और भी नुकसान करता है। इसलिए घर के भीतर या जिम में ही व्यायाम को प्राथमिकता दें।

विशेष: पृथ्वी दिवस
22 अप्रैल

बिगडती मानसिक सेहत
ग्लोबल वार्मिंग के कारण सिर्फ शारीरिक परेशानियां ही नहीं बढ़ीं बल्कि मानसिक तनाव भी बहुत ज्यादा बढ़ गया है। हमारे



व्यायाम की आदतें बदल गई हैं। ग्लोबल वार्मिंग के कारण बढ़ता हीट स्ट्रोक और तनाव हमारे मानसिक स्वास्थ्य को लगातार प्रभावित कर रहा है। दरअसल, इस ग्लोबल वार्मिंग का असर हमारी फसलों के ऊपर और हमारे पोषण की गुणवत्ता पर भी पड़ा है। ग्लोबल वार्मिंग के कारण कुछ फसलों कम पैदा हो रही हैं, खासकर प्रोटीन और मिनरल्स से भरपूर फूट्स का उत्पादन घटा है और इनकी कीमतें बहुत बढ़ गई हैं। महंगे होने के कारण लोग आसानी से इन्हें नहीं खा पा रहे हैं। इससे भी हमारी मेंटल फिटनेस पर असर पड़ रहा है। ऐसे में स्वस्थ रहने के लिए हमें अपनी लाइफस्टाइल और डाइट का पूरा ध्यान रखना होगा। *

आत्मप्रेरणा
राजयोगी बीके निंकुंज जी

यह जानते हुए भी कि धरती के संसाधनों का अति दोहन करने से हम सभी का अस्तित्व संकट में पड़ जाएगा, हम सचेत नहीं हो रहे हैं। अपनी धरती को बचाए रखने के लिए बिना देर किए हम सभी को प्रकृति संरक्षण के प्रभावी प्रयास करने होंगे।

पुकार रही है प्रकृति बचा लें अपनी धरती

सदियों से प्रकृति और यह धरती, कवियों और लेखकों के लिए आराधना और प्रशंसा का विषय रही है। इसीलिए जब हम कश्मीर की सुंदर घाटी को या फिर हिमालय से बहती हुई पावन नदी गंगा के प्रवाह को देखते हैं, तब मन ही मन हमें इस बात का अहसास होने लगता है कि सचमुच ही हम मनुष्य, शक्तिशाली प्रकृति की सामर्थ्य के समक्ष कितने तुच्छ और शक्तिहीन हैं! हम सभी इस तथ्य से परिचित हैं कि धरती मां, हमारा पालन-पोषण ठीक ऐसे ही करती है, जैसे कोई माता अपनी संतान का। आहार जुटाने से लेकर जीवन के लिए जरूरी अनेक कार्य प्रकृति पूरी तत्परता के साथ निभाती है। मान लीजिए, यदि वह अपने इस नित्य कार्य को करना बंद कर दे, तो फिर हम मनुष्यों का क्या हाल होगा, इसकी कल्पना भी हम नहीं कर सकते हैं। **बढ़ रही प्राकृतिक आपदाएं:** पिछले डेढ़-दो दशक में समस्त संसार में हुई प्राकृतिक आपदाओं की घटनाओं को देखते हुए इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता है कि प्रकृति वर्तमान में हम मनुष्यों से बड़ी रूठ है और अगर हमें अपने अपने आसपास नहीं किया तो उसके भयावह परिणाम सामने आ सकते हैं। हाल ही में भारत के कुछ पर्वतीय क्षेत्रों में बादल फटने की घटनाओं और भारी



बारिश के कारण स्थानीय लोगों को अपना घर छोड़कर सरकारी टेंटों में जाकर रहने की नौबत आई, जिसके चलते उनके मन में प्रकृति के प्रति शिकायत का भाव देखा गया। लेकिन हम इंसान अकसर यह भूल जाते हैं कि प्राकृतिक आपदाओं और धरती की बिगड़ती मौजूदा हालत के जिम्मेदार हम खुद ही हैं। **रोकनी होगी वृक्षों की कटाई:** पर्यावरण विशेषज्ञों के मतानुसार बादल फटने की घटना का गहरा संबंध वन की अनियंत्रित कटाई से होता है, जिसे साधारण भाषा में वनोन्मूलन या डिफॉरैस्टेशन कहते हैं। वनस्पति विशेषज्ञों द्वारा किए गए अनुसंधान से यह सिद्ध हुआ है कि पहाड़ी इलाकों में आए दिन होने वाली बादल फटने की घटनाओं और उससे होने वाली तबाही को कम करने के लिए समुद्र तल से 4000 से 8000 फुट की ऊंचाई पर अधिक-से-अधिक वृक्ष लगाए जाने चाहिए। परंतु दुर्भाग्यवश पर्यटन में सुधार करने के लिए हम वृक्ष लगाने के बजाय, वृक्षों को काट रहे हैं और जंगलों का नाश कर रहे हैं, जिसका सीधा असर प्रति वर्ष नदी तटीय इलाकों में बसे गांव या शहरों में होने वाली बाढ़ के रूप में हमें देखने को मिलता है। **हम सब करें प्रकृति संरक्षण:** श्रीमद भगवद्गीता के तीसरे अध्याय में कहा गया है-

देवाभाव्यतानेन ते देवा भावयन्तु वः। परस्परं भावयन्तः श्रेयः परमवाप्यथा॥
अर्थात् तुम सब यज्ञ कर्मों द्वारा देवताओं की उन्नति करो और वे देवता तुम लोगों की उन्नति करेंगे। अब यदि आज के समय में इस श्लोक का भावार्थ किया जाए तो देवताओं को प्रसन्न रखने का अभिप्राय यहां प्रकृति को संतुलित एवं व्यवस्थित रखने से भी है। ऐसा इसलिए क्योंकि प्रकृति, देवीय शक्तियों की क्रीड़ा भूमि है। अतः उसके अनुदानों से विश्व-वसुंधरा पुष्पित, फल्लवित होती तथा समुन्नत बनती है। इसलिए हम सभी मनुष्यों के लिए यह अनिवार्य है कि अपने कल्याणार्थ प्रकृति के साथ विवेकसम्मत व्यवहार करें और उसके आशीर्वाद का पात्र बनें न कि श्राप का। अच्छे कर्म का फल अच्छा मिलता है और बुरा का दुरा, यह सर्ववैदित है। कहने को तो यह सिद्धांत पुराना पड़ गया है किंतु इसके पीछे छुपा तथ्य सनातन है और यह सिद्धांत सृष्टि के कण-कण में आज भी विद्यमान है। अतः यदि हम धरती मां के साथ सम्मानजनक व्यवहार करेंगे तो हमें उतना ही प्यार और स्नेह उनसे प्राप्त होगा। लेकिन अगर हम उसके संसाधनों का दुरुपयोग करना जारी रखेंगे, तो फिर हमें भूकंप, बाढ़, अकाल, भूस्खलन जैसे प्राकृतिक प्रकोपों का सामना करना ही पड़ेगा। *

अब समय आ गया है कि हम सब पृथ्वी की बदतर होती स्थिति को लेकर केवल चिंता न प्रकट करें, उसे सुधारने के लिए कारगर कदम भी उठाएं।

चिंता जताने से नहीं सुधरेगी पृथ्वी की सेहत

शक्ति से आशय सरकार, उद्योग या वैज्ञानिकों की शक्ति नहीं है बल्कि इसका भाव यह है कि ये हमारी आदतें, हमारा आचरण और ये हमारा उपभोग ही है, जो अंततः हमारी पृथ्वी की सेहत पर असर डालता है। कुल मिलाकर यह कि यह हमारी चुनाव की शक्ति है कि हमें वास्तव में पृथ्वी को बचाने के लिए कुछ करना है या बड़ी-बड़ी बातें ही करनी हैं। चूंकि पृथ्वी एक भौगोलिक क्षेत्र भर नहीं है, यह एक जीवंत ग्रह है, इसलिए अगर हमने पृथ्वी को बचाने के लिए किसी जीवित इंसान को तरह इमानदारी से कोशिश नहीं किया तो जल्द ही वह समय आएगा, जब हमारी सारी समझदारी और सारी जानकारी के बावजूद पृथ्वी की हालत सुधरेगी नहीं।



सबसे बड़ा खतरा प्लास्टिक: आज की तारीख में धरती की सबसे ज्यादा खतरा प्लास्टिक से है। प्लास्टिक के खतरे को बचाने से जानते हैं और लगातार सरकारें प्लास्टिक के कम से कम इस्तेमाल का आह्वान करती हैं। भारत जैसे देश में तो हाल के कुछ सालों में कितनी ही बार प्लास्टिक के इस्तेमाल में, तरह-तरह के प्रतिबंध लगे हैं, लेकिन हैरानी की बात

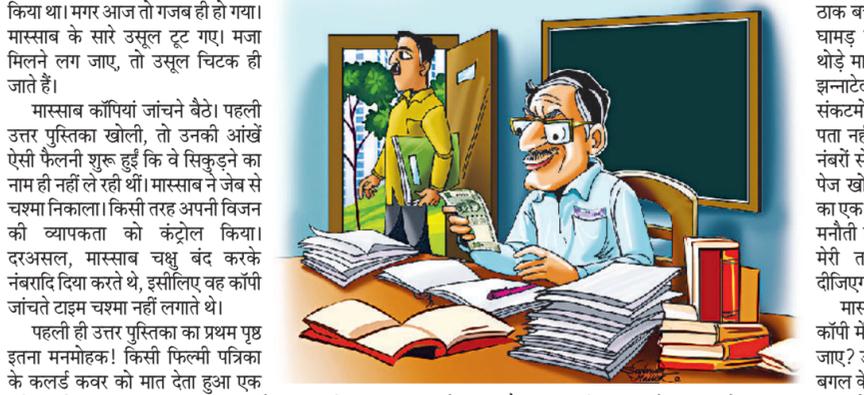
यह है कि प्रकट रूप में प्लास्टिक से बचने के लिए दिन-रात किए जा रहे आह्वानों, प्रतिबंधों और नीतियों के बावजूद प्लास्टिक का इस्तेमाल घटने की बजाय दिन-पर-दिन बढ़ता ही जा रहा है। आज हर साल 40 करोड़ टन से भी ज्यादा प्लास्टिक का उत्पादन होता है और इसमें से 50 फीसदी सिंगल यूज प्लास्टिक होता है, जो पृथ्वी की सेहत

के लिए सबसे खतरनाक है। धरती की तो छोड़िए अब समुद्र भी इस प्लास्टिक से पट गया है। सिर्फ जमीन और समुद्र ही नहीं दुनिया के किसी देश में शायद ही ऐसा खान-पान बचा हो, जिसमें बड़े पैमाने पर माइक्रोप्लास्टिक के टुकड़े घुल-मिल न गए हों। यहाँ तक कि नवजात शिशुओं के रक्त में भी प्लास्टिक के कण पाए गए हैं। आखिर ये स्थितियाँ किस बात की सूचक हैं? शायद इसी बात की कि हम चिंता तो खूब प्रकट करते हैं, आह्वान भी खूब करते हैं, लेकिन अमल बिल्कुल नहीं करते। ऐसे में भला पृथ्वी की सेहत सुधरेगी भी तो कैसे?

हवा-पानी सब प्रदूषित: देश की राजधानी दिल्ली समेत देश के कई महानगर अकसर भयावह वायु प्रदूषण से ग्रसित रहते हैं। यही हाल हमारी नदियों का भी है। गंगा, यमुना जैसी जीवनदायिनी नदियाँ, पर्यावरणविदों की दिन-रात जताई जा रही चिंता के बावजूद प्रदूषण से दम तोड़ रही हैं। पहले तो इनमें औद्योगिक इकाइयों का गंदा पानी ही शामिल होकर इन्हें जहरीला बना रहा था, लेकिन अब तो हमारी इन नदियों में भी प्लास्टिक एक बड़ा खतरा बन गया है। जिस तरह से लगातार हिमालयी ग्लेशियर पिघल रहे हैं, उससे यह स्थिति कभी पैदा हो सकती है कि गंगा नदी सूख जाए या कि मौसमी नदी बन जाए। हमारा संकट यह है कि हम एक तरफ जहाँ पृथ्वी के बिगड़ते स्वास्थ्य को देखकर चिंतित हो रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ हम अपने उपभोग का तौर-तरीका नहीं बदल रहे। अगर हमने अपने जीवनशैली से जरा भी समझौता नहीं किया तो पृथ्वी की सेहत को लेकर चाहे जितनी चिंता प्रकट करें, इसे बचा नहीं सकते। *

लंग्य / सूर्य कुमार पांडेय

आज तो गजब ही हो गया। मास्साब के सारे उसूल टूट गए। मजा मिलने लग जाए, तो उसूल चिटक ही जाते हैं। मास्साब का डबल मजा



मास्साब का प्रथम पृष्ठ इतना मनमोहक! किसी फिल्मी पत्रिका के कलर्ड कवर को मात देता हुआ एक रंगीन हार्ट का चित्र अंकित था। मास्साब ने चश्मा नहीं उतारा। परीक्षार्थी की हँड राइटिंग तो और भी ब्यूटीफुल थी। अंकित था, 'हे अंकस्वामी, मैंने आज अपना दिल खोलकर आपके सामने फैला दिया है। मेरा आगामी

फ्यूचर आपके हाथ है। उबार लीजिए, चाहे डुबा दीजिए।' साथ में एक सूी रुपए का कारा नोट नथी था। मास्साब ने गहरी सांस ली। चतुर्दिक देखा। सहकमी परीक्षक परीक्षार्थियों का भविष्य दुरुस्त करने में तल्लीन

के लड्डू मंगवाए। सहयोगी शिक्षक-शिक्षिकाओं के मध्य मिथान्ने वितरण कराया। बाकी के लड्डू घर के लिए अपने बैग के हवाले किए। आज मास्साब का मजा सचमुच डबल हो चुका था। *

थे। मास्साब की नीयत का मोर, मूल्यांकन कक्ष के जंगल में नाच उठा। जैसा कि होता है, जंगल में मोर नाचा, किसने देखा? सो किसी ने नहीं देखा। सौ का वह नोट मोरपंख बनकर मास्साब की जेब में घुस गया। आज की कॉपी जंचाई में मास्साब को सचमुच बड़ा मजा आया।

अगली तीन-चार कॉपियां ठीक-ठाक बच्चों की थीं। मास्साब को वे सब घामड़ लगे और महाबोर भी। उन्होंने थोड़े मार्क्स दे मारे। किंतु पांचवीं कॉपी झन्नाटेदार थी। उसमें लिखा हुआ था, 'हे संकटमोचक सर या मैडम (क्योंकि मुझे पता नहीं है), जब आप मेरे को भरपूर नंबरों से पास कर दीजिएगा, तब लास्ट पेज खोलिएगा। आपको पांच सूी रुपए का एक नोट दिखेगा। मैंने उतीर्ण होने की मनौती मान रखी है। आप भगवान को मेरी तरफ से प्रसाद जरूर चढ़ा दीजिएगा।' मास्साब ने तत्काल उस विद्यार्थी की कॉपी में पूर्ण लब्धांक टांके। मंदिर कौन जाए? उन्होंने चपरासी को बुलाया और बगल के हलवाई के यहां से दो सूी रुपए के लड्डू मंगवाए। सहयोगी शिक्षिकाओं के मध्य मिथान्ने वितरण कराया। बाकी के लड्डू घर के लिए अपने बैग के हवाले किए। आज मास्साब का मजा सचमुच डबल हो चुका था। *

लघुकथा / राशोधरा भटनागर

मैं चाहता हूँ

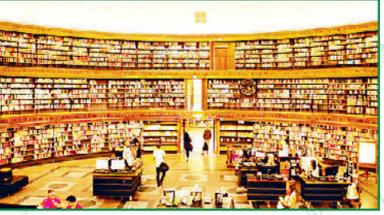
का, खाना तैयार हो गया? सही मिहमानों को पहले सॉफ्ट ड्रिंक्स और स्नैक्स दीजिएगा। मेहमान भी आते ही होंगे।' हाथ में ब्रेसलेट को लांक करते हुए मैंने काका से पूछा। 'हओ बहू जी! बस अब्बई लगाए दे रहे।' लॉन का चक्कर लगा कर सारी तैयारियां देख लीं। रोशनी की झिलमिलालती लड्डियां भी सभी अपने-अपने स्थान पर जामगा रही थीं। बेटे बंदू के जन्मदिन को हम खूब धूमधाम से मनाना चाहते हैं आखिर वह हमारा इकलौता बेटा है। अपने दादी-दादी सबका बहुत दुलारा है। उत्सव की सारी तैयारियां हो चुकी थीं। मम्मी जी, पापा जी, रवि सभी रेडी होकर लॉन में लगी चैयर्स पर बैठे अपने-अपने मोबाइल फोन में व्यस्त थे। मुझे भी ऑफिस एक अजैट मेल करना है। सुबह से समय ही नहीं मिला। जल्दी से वह काम भी कर लेती हूँ। बंदू को भी रेडी कर दिया है। मेहमानों के आने तक और कोई काम भी नहीं है। तभी मेरा ध्यान बंदू की ओर गया, झपझपाती लाइटों से चमचमाते पारिजात के पेड़ के नीचे गुमसुम बैठा हुआ है। 'बंदू बेटा, व्हाट हैप्पेंड? टुडे इज योर बर्थ डे! सो एंजॉय बच्चे।' बंदू के गालों को प्यार से थपथपाते हुए मैंने कहा। 'किसके साथ?' सूनी आंखों से मुझे देखते हुए वह धीरे से बोला। 'ओह बंदू! मुझे बताओ आप क्या चाहते हो?' उसे मनाने के अंदाज में मैंने उससे पूछा। 'मम्मी में मोबाइल फोन बनना चाहता हूँ। भगवान जी मुझे मोबाइल फोन बना देते तो मैं...।' 'व्हाट...!' मैं सिर से पैर तक झन्झन्ना उठी। *

परंपरा / शिखर चंद जैन



क्रास्नोयार्स्क पुस्तक संस्कृति मेला रूस

अपनी अनोखी पुस्तक-संबंधी प्रदर्शनियों और प्रतिष्ठानों के लिए प्रसिद्ध रूस का यह मेला साइबेरिया की सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करता है और विभिन्न साहित्यिक विधाओं के अन्वेषण को प्रोत्साहित करता है। साइबेरिया के आश्चर्यजनक परिदृश्यों के बीच स्थित, रूस का क्रास्नोयार्स्क पुस्तक संस्कृति मेला, साहित्यिक समारोहों की दुनिया में बहुत महत्व रखता है। यह मेला, न केवल लिखित शब्दों का उत्सव मनाता है, बल्कि क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को भी संजोता है। रूसी साहित्य, स्वदेशी कहानी और अंतरराष्ट्रीय प्रभावों के अनूठे मिश्रण के साथ यह मेला पुस्तक प्रेमियों और सांस्कृतिक कर्मियों के लिए एक अनूठा अनुभव प्रदान करता है। विविध पुस्तक स्टालों से भरे व्यस्त बाजारों से लेकर साहित्यिक परिदृश्य पर गहन विचार-विमर्श तक, आगंतुकों को शब्दों की दुनिया में एक गहन यात्रा का आनंद मिलता है। *



पढ़ने के साथ आनंद के पल स्वीडन

स्वीडिश लोग आराम के समय किताबें पढ़ना सबसे अधिक पसंद करते हैं। खासतौर पर सर्दियों की लंबी, अंधेरी रातों में स्वीडिश लोग गर्म पेय के साथ केबल के नीचे दुबके हुए अपनी पसंदीदा किताब पढ़ना खूब पसंद करते हैं। स्वीडन में स्थित अधिकतर पुस्तकालय, अक्सर रीडिंग नाइट्स की मेजबानी करते हैं, जिससे सामुदायिक जुड़ाव और साहित्य के प्रति साझा प्रेम को बढ़ावा मिलता है। *



सक्सेस मंत्रा
अजू जैन

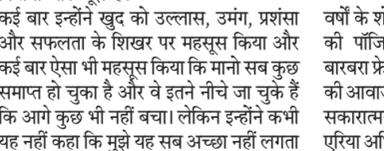
कई बार मन में सवाल उठता है कि दुनिया में कुछ ही लोग इतने सफल, चर्चित और समृद्ध क्यों होते हैं, जबकि ज्यादातर लोग एक औसत और गुमनाम सा जीवन जीते हैं? इसकी कई वजहें होती हैं, इनमें से कुछ के बारे में यहां जानते हैं।

कर्म को मानते हैं पूजा

वैसे तो दुनिया में लगभग सभी लोग अपनी आजीविका के लिए या नाम कमाने के लिए कुछ न कुछ काम करते हैं। लेकिन कुछ लोग ज्यादातर लोगों से बहुत आगे निकलकर अपने क्षेत्र में, कुछ अपने जिले या राज्य में और कुछ लोग इससे भी आगे बढ़कर देश और दुनिया में अपनी एक अलग पहचान बना लेते हैं। उनके पास नाम, शोहरत, पैसा, सफलता सब कुछ होता है। जानते हैं क्यों? क्योंकि ये उन ज्यादातर लोगों में से नहीं होते, जो बेमन या मजबूरी में अपने काम को करते हैं। ये उन चंद लोगों में से होते हैं, जो अपने काम में पूरी तमयता से डूबे रहते हैं। दिन-रात उल्लास और उमंग से मेहनत करते हैं और धैर्यपूर्वक अच्छे नतीजे का इंतजार करते हैं। ऐसे लोगों का जीवनमंत्र होता है- कर्म ही पूजा है।

अपने काम से करें प्यार

आज के समय में सुनीता विलियम्स जैसी अंतरिक्ष यात्री हों या विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे खिलाड़ी, अंबानी, टाटा और अडानी जैसे उद्योगपति हों या अमिताभ बच्चन, शाहरुख जैसे एक्टर, इन्हें कौन नहीं जानता! ऐसे कई सारे लोग दुनिया में हैं, जो विश्वविख्यात हैं और सफलता के चरम पर हैं। हर कोई जानता है कि उनकी जिंदगी, काम और राह आसान कभी नहीं थीं। इन्होंने अपने जीवन में अतृप्तपूर्व कठिन और जटिल परिस्थितियों का सामना किया। हार-जीत और आशा-निराशा के भंवर से न जाने कितनी बार जुड़े हैं। कई बार इन्होंने खुद को उल्लास, उमंग, प्रशंसा और सफलता के शिखर पर महसूस किया और कई बार ऐसा भी महसूस किया कि मानो सब कुछ समाप्त हो चुका है और वे इतने नीचे जा चुके हैं कि आगे कुछ भी नहीं बचा। लेकिन इन्होंने कभी यह नहीं कहा कि मुझे यह सब अच्छा नहीं लगता



वर्षों के शोध से प्राप्त हुआ है, जो नॉर्थ कैरोलिना की पॉजिटिव इमोशंस लैबोरेट्री की प्रोफेसर बारबरा फ्रेडरिक के नेतृत्व में हुआ है। ब्रेन न्यूरोस की आवाजाही पर आधारित अध्ययन बताते हैं कि सकारात्मक लोगों के मस्तिष्क का वेंट्रल टेम्पेटल एरिया अधिक सक्रिय होता है, जो उन्हें आशावादी



विशेष: विश्व पुस्तक दिवस, 23 अप्रैल

दुनिया भर के अनेक लोग पुस्तकें पढ़ने का शौक रखते हैं। पुस्तक पढ़ने की प्रवृत्ति को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न देशों में कुछ अनोखी और आकर्षक साहित्यिक परंपराएं निर्माई जाती हैं। आइए जानते हैं कुछ ऐसी परंपराओं के बारे में।

दुनिया भर में मशहूर

पुस्तक प्रेम की अनोखी परंपराएं

जोला बोका फ्लड आइसलैंड

आइसलैंड के अधिकांश लोग नियमित रूप से किताबें पढ़ते हैं। वे किताबें लिखने में भी आगे रहते हैं। जोला बोका फ्लड के नाम से मशहूर 'क्रिसमस बुक फ्लड' समारोह साल के अंत में एक हफ्ते तक आयोजित होता है, जिसमें आइसलैंड के नागरिक एक-दूसरे को किताबें उपहार में देते हैं। अक्सर क्रिसमस की पूर्व संध्या पर, इन पुस्तकों का आदान-प्रदान किया जाता है और फिर तुरंत पढ़ा जाता है। जोला बोका फ्लड, वाक्यांश खरीदी गईं नई पुस्तकों की 'बाढ़' को भी संदर्भित करता है। आइसलैंडवासी कहते हैं, 'एड गंगा मेड बोक आई मैगनम', जिसका भावार्थ होता है 'हर किसी के अंदर एक किताब होती है'। *



पाठकों की पुस्तक परियां इटली

इटली निवासी अपनी पढ़ी हुई किसी किताब को अपने पास डंप नहीं करते हैं। जब वे अपनी खरीदी हुई पुस्तक पढ़कर समाप्त करते हैं तो पुस्तक को वापस शेल्फ पर रखने के बजाय, वे इसे विशेष स्टिकर और हरा रिबन लगाकर किसी और के लिए सार्वजनिक स्थल पर छोड़ देते हैं। इन किताबों को ट्रेन स्टेशनों, कॉफी की दुकानों, पार्क की बेंचों और अन्य जगहों पर छोड़ दिया जाता है ताकि कोई दूसरा पाठक इन्हें पाकर पढ़ सके। इन्हें पुस्तक परियां कहते हैं। कुछ लोग अपनी किताबों को पार्क की बेंचों के नीचे, स्टोर के साइन बोर्ड के पीछे या बस स्टेशनों में छिपाकर रखना पसंद करते हैं। ताकि उस किताब का दीवाना कोई पाठक उसे पाकर पढ़ सके। पढ़ने के बाद वह फिर से रिबन को लपेटकर अन्य पाठक के लिए दूसरी जगह रख सकता है या पुस्तक को अपने निजी पुस्तकालय के लिए सहेज सकता है। *



स्टोन सूप हैप्पी रीडिंग एलायंस चीन

चीनी प्राथमिक विद्यालयों में बेहतर साहित्यिक निर्देश और संस्कृति के प्रचार-प्रसार के लिए 2007 में स्थापित, स्टोन सूप हैप्पी रीडिंग एलायंस का मिशन है 'पढ़ने को वैसा बनाना है जैसा कि होना चाहिए-खुशहाल, मुफ्त और स्वेच्छिक'। छात्र अपनी पसंद की विशिष्ट सामग्री चुनने के लिए स्वतंत्र हैं। किताबों की गोदियां कक्षाओं



से पुस्तकालयों तक लाई जाती हैं और शिक्षक अक्सर अपने छात्रों को रोचक पुस्तकें खूब पढ़कर सुनाते हैं। इच्छुक छात्र उन किताबों से प्रेरित होकर नाटक या नाटकीय व्याख्याएं लिखते हैं और उन पर अभिनय भी करते हैं, जो उन्होंने पढ़ी होती हैं। *

नैवोविमो, संयुक्त राज्य अमेरिका

नैवोविमो आयोजन के तहत लोगों को 30 दिनों में 50,000 शब्दों का उपन्यास लिखने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। 1999 में एक पर्सनल डेवलपमेंट चैलेंज के रूप में शुरू हुआ यह कार्यक्रम इंटरनेट पर एक पॉपुलर इवेंट बन गया है। आधिकारिक तौर पर नैवोविमो, एक गैर-लाभकारी संगठन है, जो पूरे देश और दुनिया के लेखकों को मजदूर कार्यशालाओं, युक्तियों और ऑनलाइन फोरम के माध्यम से जोड़ता है। यह फोरम उपयोगकर्ताओं को अन्य लेखकों से प्रश्न पूछने, टेक्स्ट एक्सचेंज करने और कार्यशालाओं के लिए साइन अप करने की अनुमति देते हैं। कोई भी व्यक्ति, चाहे वह शेफ हो या मैकेनिक, घर पर रहने वाले माता-पिता या शिक्षक, इसमें भाग ले सकते हैं। *

बड़ा पर्ल

हेमंत पाल

भ

गवान को भक्ति के लिए गीत या भजन गाना और सुनना बहुत लोकप्रिय है। फिल्मों में अक्सर दिखाया जाता है कि किस तरह एक भजन सारे बुरे हालात बदल देता है। खास बात यह भी कि धार्मिक फिल्मों में ही भक्ति गीत हों, यह जरूरी नहीं। कई मल्टीस्टार एक्शन और रोमांटिक फिल्मों में भी ऐसे कई भक्ति गीत फिल्माए गए, जो लोकप्रिय हुए और आज भी इन्हें सुना जाता है। शुरुआती दौर से जारी है सिलसिला: फिल्म इतिहास के पन्ने पलटें जाएं, तो हम पाते हैं कि ब्लैक एंड व्हाइट फिल्मों के जमाने से ही भक्ति गीतों को फिल्मों में शामिल किया जाता रहा है। उस दौर की कुछ फिल्मों के भक्ति गीत और भजन आज भी इतने लोकप्रिय हैं कि तीज-त्योहार पर ये बजते सुनाई देते हैं। फिल्मों में ऐसे कई भजन और भक्ति गीत दिए हैं, जिन्हें सुनकर और गाकर कुछ पलों के लिए हम अपने दुःख भूल जाते हैं। ऐसी स्थिति में मन में विश्वास की एक ज्योति जल उठती है। **भरपूर सफल हुई 'जय संतोषी मां':** धार्मिक फिल्मों और उसके प्रसिद्ध भक्ति गीतों की बात करें, तो 'जय संतोषी मां' को एक मिसाल के तौर पर देखा जा सकता है। 1975 में आई कम बजट की फिल्म 'जय संतोषी मां' को अपार सफलता मिली थी। इस फिल्म की गिनती अब तक की श्रेष्ठ ब्लॉकबस्टर फिल्मों में होती है। फिल्म की अपार सफलता में इस फिल्म के सभी गीतों का भी बड़ा योगदान था। उषा मंगेशकर, महेंद्र कपूर और मन्ना डे ने कवि प्रदीप के लिखे भक्ति गीत गाए थे। 'करती हूं तुम्हारा व्रत मैं स्वीकार करो मां', 'यहां-वहां जहां-तहां मत पूछो कहां-कहां', 'मैं तो आरती उतारूं

भक्ति के अनेक तरीकों में से एक है भक्ति गीतों यानी भजन के माध्यम से ईश्वर को याद करना। अनेक हिंदी फिल्मों में फिल्माए गए भक्ति गीतों को लोग आज भी नहीं भूल पाए हैं। घरों और मंदिरों में ये गीत श्रद्धा-भक्ति के साथ सुने-सुनाए जाते हैं। भक्ति गीतों से सजी ऐसी ही कुछ फिल्मों पर एक नजर।

भक्ति-गीतों से सजी यादगार हिंदी फिल्में



आज भी लोकप्रिय है फिल्म 'सुहाम' का भक्ति गीत दर्शकों को खूब पसंद आई फिल्म 'जय संतोषी मां'

रे, 'मदद करो संतोषी माता', 'जय संतोषी मां', 'मत रो मत रो आज राधिके', फिल्म के सभी गीत उन दिनों तो खूब प्रचलित हुए ही, आज भी सुने जाते हैं। लोगों में इस फिल्म पर इसके कलाकारों के प्रति भक्ति-भाव का ये आलम था कि फिल्म में माता संतोषी का किरदार और शशि कपूर की फिल्म 'सुहाम' आई थी, जिसमें मां दुर्गा की भक्ति पर गाया गया भजन 'नाम रे सबसे बड़ा तेरा नाम ओ शरोवाली' काफी लोकप्रिय हुआ था। फिल्म के इस भक्ति-गीत में अमिताभ और रेखा ने गरबा भी किया था। आशा भोसले और मोहम्मद रफी की आवाज ने इस गीत को यादगार बना दिया। आज भी नवरात्र और देवी पूजन के अन्य अवसरों पर यह गीत सुनाई देता है। **लंबी है फेहरिस्त:** शुरुआत से लेकर अब तक की हिंदी फिल्मों की



निभाने वाली एक्ट्रेस अनीता गुहा को लोग पूजने लगे थे। 'जय संतोषी मां' में अभिनय करने वाले महिपाल ने भी अपने जीवन काल में 'संपूर्ण रामायण', 'वीर भीमसेन', 'वीर हनुमान', 'हनुमान पाताल विजय', जैसी सफल धार्मिक फिल्मों में काम किया। उन्होंने अपने करियर में भगवान राम, कृष्ण, गणेश और विष्णु का किरदार इतनी बार निभाया कि असल जिंदगी में भी लोग इन्हें पसंद लगे थे। **'सुहाम' का यादगार भक्ति गीत:** 1979 में अमिताभ बच्चन

मानकर अपना सब कुछ अर्पण करने की बात कही गई है। ये तो बस कुछ उदाहरण मात्र हैं। ऐसे कितने ही भक्ति गीत हैं, जिसने फिल्म की सफलता में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका तो निभाई ही, आस्थावान दर्शकों एवं भक्तों के हृदय में भक्ति-भाव को भी प्रबल किया। *



अपनी शरण में ले लो राम' को भी मोहम्मद रफी ने अपनी आवाज दी और बीते जमाने के विख्यात संगीतकार चित्रगुप्त ने इसे संगीत से सजाया था। गीत में राम को आराध्य

बात करें, तो भक्ति गीतों से सजी हिंदी फिल्मों की लंबी फेहरिस्त है। याद किया जाए तो ऐसे कालजयी भक्ति गीतों में 1965 में आई फिल्म 'खानदान' के गीत 'बड़ी देर भई नंदलाला तेरी राह तके बृजबाला' को रखा जा सकता है। इस भजन को सुनील दत्त पर फिल्माया गया था। राजेंद्र कृष्ण के लिखे इस